INS ACCREDITED
यूंनेकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-17 | मथुरा, शनिवार, 14 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पुलिस भर्ती परीक्षा का सवाल ने सोशल मीडिया पर मचाया बवाल

विकल्प में 'पंडित' शब्द पर मचा बवाल, जांच शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के पहले ही दिन एक ऐसा सवाल सामने आया जिसने अभ्यर्थियों के साथ–साथ सोशल मीडिया को भी चौंका दिया। परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न के विकल्पों में "पंडित" शब्द शामिल होने पर विवाद खड़ा हो गया और देखते ही देखते यह सवाल इंटरनेट पर चर्चा और व्यंग्य का विषय बन गया।

प्रश्न में 'अवसर के अनुसार बदल जाने वाले' वाक्यांश के लिए एक शब्द चुनने को कहा गया था। इसके चार विकल्प दिए गए थे– सदाचारी, पंडित, अवसरवादी और निष्कपट। अभ्यर्थियों का कहना है कि तीन विकल्प किसी व्यक्ति के गुण या अवगुण को दर्शाते हैं, जबकि एक विकल्प जाति से जुड़ा हुआ था। प्रश्नपत्र की तस्वीर जैसे ही बाहर आई, सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लेकर तरह–तरह की टिप्पणियां और व्यंग्यात्मक प्रतिक्रियाएं शुरू कर दीं।

कई यूजर्स ने मजाक में लिखा कि अब शायद हिंदी व्याकरण भी सामाजिक विज्ञान का नया अध्याय पढ़ाने लगा है। कुछ लोगों ने परीक्षा तैयार करने वालों की समझ पर सवाल उठाए, तो कुछ ने इसे प्रश्नपत्र तैयार करने में हुई गंभीर चूक बताया। देखते–देखते यह सवाल

सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन गया।

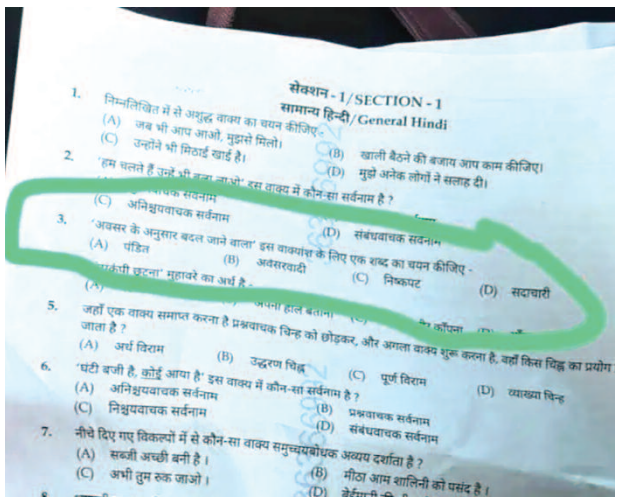

इसी बीच भर्ती परीक्षा की सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन सतर्क नजर आया। परीक्षा में गड़बड़ी फैलाने और फर्जी प्रश्नपत्र वायरल करने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। विशेष कार्यबल ने आगरा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो टेलीग्राम चैनलों के जरिए फर्जी पेपर भेजकर अभ्यर्थियों से पैसे वसूल रहा था। खगोल भारद्वाज ने कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं होना चाहिए, जिससे किसी समाज या वर्ग की भावनाएं आहत हों। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करने से पहले विशेषज्ञों द्वारा उसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

वहीं शिक्षाविद पंडित सोहनलाल शर्मा का कहना है कि "पंडित" शब्द विद्वता और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। इसे किसी नकारात्मक संदर्भ में जोड़ना उचित नहीं है। इस प्रकार के प्रश्न से समाज में अनावश्यक विवाद पैदा हो सकता है।

मथुरा के युवा दीपक गौड़ ने कहा कि

उठे विवाद पर लोगों ने जताई आपत्ति

सोशल मीडिया पर वायरल होते ही शुरू हुई तीखी बहस

सरकार ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच के दिए निर्देश

प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्षता और संवेदनशीलता बेहद जरूरी है। यदि ऐसे सवाल सामने आते हैं तो अभ्यर्थियों के मन में भी भ्रम पैदा होता है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि परीक्षा में ऐसा कोई भी प्रश्न स्वीकार्य नहीं है जिससे किसी समाज या वर्ग की गरिमा को ठेस पहुंचे।

उन्होंने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। फिलहाल परीक्षा का यह सवाल सोशल मीडिया पर बहस और व्यंग्य दोनों का विषय बना हुआ है।

आगरा में जिला पूर्ति अधिकारी का छापा

छापे में 42 व्यवसायिक गैस सिलेंडर खाली मिले

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। जिला पूर्ति अधिकारी ने एक सूचना पर निरीक्षण कर 42 व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों मिले। जिलाधिकारी अरविंद मल्लाप्पा बंगारी के निर्देशन पर जिला आपूर्तिअधिकारी आनंद कुमार सिंह ने मुखबिर खास से प्राप्त सूचना पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी रानू रस्तोगी तथा पूर्ति लिपित राजीव तिवारी ने कालीबाडी रोड, आगरा स्थित गोयल डेयरी पर छापा मारा। मौके पर दुकान के अन्दर तलाशी लेने पर प्लास्टिक की बोरियों से बनाये गये पर्दे के पीछे भारत गैस कम्पनी के 10 व हिन्दुस्तान पेट्रोलिमय कम्पनी के 32 एक ऊपर एक रखे पाए गए। सिलेण्डरों की जाँच करने पर सभी गैस सिलेण्डर खाली पाए गए। मौके पर सोहनलाल सिलेण्डरों के सम्बन्ध कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर पाए।

जॉच दल ने सभी 42 व्यवसायिक गैस सिलेण्डर (खाली अवस्था में) अपने कब्जे में कर मैसर्स मुगल गैस सर्विस गैस एजेन्सी के सुपुर्द किया गया।

यूपी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र के नाम पर ठगी

विशेष कार्य बल नेआगरा से युवक किया गिरफ्तार

संदेश माध्यम पर चैनल बनाकर अभ्यर्थियों से वसूली करता था आरोपी

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक एवं समकक्ष भर्ती परीक्षा–2025 का प्रश्नपत्र लीक कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले एक युवक को विशेष कार्यबल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी संदेश माध्यम पर चैनल बनाकर परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर अभ्यर्थियों से धन वसूल रहा था।

विशेष कार्यबल के अनुसार 14 और 15 मार्च 2026 को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक एवं सहायक उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर सामाजिक माध्यमों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान एक संदेश चैनल के माध्यम से परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा करते हुए संदेश प्रसारित होने की जानकारी मिली।

जांच में सामने आया कि इस चैनल के जरिए प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को झांसे में लेकर उनसे धन लिया जा रहा था। आरोपी कथित प्रश्नपत्र के नाम पर एक दस्तावेज को संपादित कर नकली प्रश्नपत्र तैयार करता था और उसे असली प्रश्नपत्र

आयुष बघेल

बताकर अभ्यर्थियों को भेज देता था। इससे लोगों का विश्वास जीतकर वह ऑनलाइन भुगतान के जरिए बड़ी रकम वसूल करता था।

विशेष कार्यबल की टीम ने निगरानी के दौरान 13 मार्च को आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी से आरोपी आयुष बघेल को गिरफ्तार कर लिया। वह इसी कॉलोनी का निवासी है। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

पूछताछ में आयुष बघेल ने बताया कि वह अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर संदेश माध्यम पर कई चैनल बनाकर प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र दिलाने का झांसा देता था। वह संपादित दस्तावेज को असली प्रश्नपत्र बताकर अभ्यर्थियों को भेजता था और उनसे ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से धन वसूलता था।

इस मामले में लखनऊ के हसनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों की तलाश कर रही है और पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है।

कड़ी सुरक्षा | कड़ी सुरक्षा के बीच हुई 17 केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा

प्रथम पाली में 4509 परीक्षार्थी बैठे, 1491 रहे अनुपस्थित

लाइन लगाकर अपना सामान लेते परीक्षार्थी।

केआर इंटर कॉलेज पुलिस परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी

यूनिक समय मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समस्त पदों की सीधी भर्ती परीक्षा 17 केंद्रों पर आयोजित की गई। प्रथम पाली में 4509 और द्वितीय पाली में 4609 अभियार्थियों ने परीक्षा दी।

पुलिस और प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को प्रथम पाली में किशोरी रमण इंटर कालेज,ब्लाक स्टोन ग्र्लस इंटर कालेज, चंपा अग्रवाल इंटर कालेज,

दूसरी पाली में 4609 ने परीक्षा दी 1391 ने छोड़ी परीक्षा

गुरू कार्षिण इंटर कालेज,इस्लामिया इंटर कालेज, जवाहर विद्यालय इंटर कालेज, किशोरी रमण गर्ल्स डिग्री कालेज, किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कालेज, लक्ष्मण प्रसाद चुतर्वेदी आर्य कन्या इंटर कालेज, महाराज अग्रसेन गर्ल्स इंटर कालेज, प्रेम देवी अग्रवाल गर्ल्स इटंर कालेज, आरसीए पीजी कालेज, सेठ बीएन पोद्धार इंटर कालेज, चमेली दीवी खंडेलवाल गर्ल्स, डीएवी इंटर कालेज,सुभाष इंटर कालेज,बीडीपी राष्ट्रीय इंटर कालेज परीक्षा कें द्रों पर प्रथम पाली में 4509 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा में 1491 अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल 75.15 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। इसी तरह इन केंद्रों पर दूसरी पाली में 4609 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस पाली में 1391 अभ्यार्थियों ने परीक्षा को छोड़ दिया। इस पारी में 76.82 प्रतिशत अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी। गौरतलब है कि भर्ती परीक्षा को नकल विहीन बानने के लिए जिलाधिकारी और एसएसपी ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए। 17 परीक्षा कें द्रों पर 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट को तैनात किया गया। परीक्षा केंद्रों पर नजर सीसी टीवी कैमरों से भी रखी गई। नकल माफिया और दलालों पर पूरी तरह से नजर रखी गई। पुलिस के खुफिया विभाग को भी नौकरी दिलाने के नाम पर प्रलोभन देने वाले असमाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए लगाया था।

छत से प्रवेश कर चोरों ने दो घरों में की चोरी

यूनिक समय मथुरा। कोतवाली क्षेत्र के स्वामीघाट इलाके में चोरों ने छत के रास्ते से दो मकानों में प्रवेश करने के बाद हजारो रुपये की नकदी और सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए।

जोगीबाबा वाली गली स्वामीघाट में रहने वाले पारस नाथ चतुर्वेदी कहीं बाहर गए हुए थे। चोरों ने उनके मकान की छत से होकर प्रवेश किया और घर में रखे जेवरात और दस हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। चोरों ने इसी गली में रहने वाले सचिन शर्मा के घर को भी इसी तरह से निशाना बनाया चोरों ने यहां भी छत के रास्ते से प्रवेश कर घर में रखी नकदी आदि को चोरी कर लिया। चोरी की वारदतों का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

दानघाटी पर दुग्धाभिषेक कर डीएम और एसएसपी ने प्रार्थना की

गिरिराज महाराज हमारी लाज रखना..

दोनों अधिकारियों ने राष्ट्रपति के गोवर्धन आने की तैयारियों का लिया जायजा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 को आएंगी

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के वृंदावन एवं गोवर्धन आगमन को लेकर जिला प्रशासन अपनी तैयारी को अमली जामा पहनाने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में राष्ट्रपति के गोवर्धन में दानघाटी दर्शन का भी कार्यक्रम है। इसी को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने गोवर्धन का दौरा किया और राष्ट्रपति के आगमन की तैयारीयों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने अपने अधीनस्थों को समय से तैयारी पूर्ण करने के दिशा निर्देश दिए। दानघाटी मंदिर मार्ग पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने तथा सौंदर्यी करण करने की दिशा निर्देश दिए। मंदिर परिसर में भ्रमण कर राष्ट्रपति के आगमन और स्वागत का विशेष ध्यान रखने के लिए मंदिर सेवायत रामेश्वर पुरोहित से भी चर्चा की गई। तैयारी का जायजा लेने के पश्चात जिलाधिकारी और एसएसपी ने गिर्राज महाराज की पूजा अर्चना की । मंदिर सेवायतो दोनों अधिकारियों को गिर्राज महाराज का दुग्ध अभिषेक करवा कर पूजा अर्चना कराई। इसके पश्चाता डीएम और एसएसपी अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करने के लिए निकल पड़े। परिक्रमा मार्ग में जगह–जगह साफ सफाई की व्यवस्था और परिक्रमा मार्ग में सौंदर्यी करण के लिए उपजिलाधिकारी प्राजक्ता त्रिपाठी ,सीओ अनिल कुमार सिंह और अन्य अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत, थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह गूर्जर आदि उपस्थित थे।

दानघाटी पर गिरिराज महाराज का दुग्धाभिषेक करते डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते डीएम एवं एसएसपी समेत अन्य अधिकारी।

तापमान / मौसम

37 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,59,500

22 कैरेट 1,46,740

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,68,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

कानून व्यवस्था सुधारने को बड़ा कदम

327 पुलिसकर्मियों का तबादला

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इसके तहत यूपी डायल–112 की पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) व्यवस्था में बदलाव करते हुए 327 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया है। आदेश के अनुसार 13 उपनिरीक्षक, 125 मुख्य आरक्षी और 189 आरक्षियों को जिले के विभिन्न थानों, चौकियों और पीआरवी ड्यूटी में नई तैनाती दी गई है। बताया गया है कि कई पुलिसकर्मी लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात थे, जिससे कार्यप्रणाली प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही थी। पीआरवी के नोडल अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत को कुछ पुलिसकर्मियों की तैनाती और कार्यशैली को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी गई और विभागीय स्तर पर समीक्षा कराई गई। समीक्षा में पाया गया कि कई पुलिसकर्मी तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत थे। इसके चलते व्यापक स्तर पर तबादले का निर्णय लिया गया। इस फेरबदल के तहत कुछ युवा पुलिसकर्मियों को भी पीआरवी में नई जिम्मेदारी दी गई है, ताकि आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया और अधिक तेज और प्रभावी हो सके। सभी स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से नए तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

श्लोक कुमार

एसएसपी के निर्देश पर पीआरवी व्यवस्था में फेरबदल

कई साल से एक ही जगह तैनात कर्मियों को हटाया

द्वारकाधीश मंदिर में चाँदी की हटरी में विराजमान हुए ठाकुर जी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सृष्टिपूर्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार राजभोग दर्शन के समय ठाकुर द्वारिकाधीश महाराज चाँदी की हटरी में विराजमान हुए तो दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भक्ति भाव से दर्शन कर पूजा–अर्चना की और ठाकुर जी से सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि सृष्टिपूर्ति कार्यक्रम के अंतर्गत आज सायंकाल पंचजन्य प्रेक्षालय में शुरु हो गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उत्सव 15 मार्च को मंदिर परिसर में आयोजित होगा। इस अवसर पर विशेष पूजा–अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। मुख्य उत्सव के चलते 15 मार्च को मंदिर के दर्शन समय में भी बदलाव किया गया है। प्रातःकाल केवल मंगला दर्शन होंगे। इसके बाद अपराह्न तीन बजे छप्पन भोग के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। रात्रि में दर्शन लगभग 8:00 बजे तक चलेंगे।

हटरी में विराजमान ठाकुरजी की झांकी के दर्शन।

घरेलू गैस की कोई कमी नहीं, बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर की चिंता क्षेत्र में दूर है। सभी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर बुकिंग के आधार पर समय से मिल रहे हैं। क्षेत्र में भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों का स्टॉक है ,कोई भी व्यक्ति अफवाह पर ध्यान ना दें सभी लोग बुकिंग करा कर अपना सिलेंडर ले रहे है। सिलेंडर बुक करने में नेटवर्क इश्यू के कारण देरी हो रही है । छाता गोवर्धन चौराहा स्थित ओम इंडेन गैस एजेंसी के मैनेजर गौतम ने बताया कि लगभग प्रतिदिन डेढ़ सौ उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं। गैस का कोई भी संकट इस क्षेत्र में नहीं है।

यमुना छठ को लेकर घाटों पर स्वच्छता अभियान शुरु

यूनिक समय, मथुरा। 23 मार्च की को मनाई जाने वाली यमुना छठ पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। यह दिन माँ यमुना का अवतरण दिवस माना जाता है। श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मथुरा वृंदावन नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख यमुना घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। घाटों की व्यापक सफाई कराते हुए वहां जमी सिल्ट (गाद) को हटाया जा रहा है, ताकि पर्व के अवसर पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को स्नान और पूजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश के निर्देशों के अनुपालन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल की उपस्थिति में शहर के प्रमुख घाटों पर सफाई कार्य कराया गया। अभियान के अंतर्गत विश्राम घाट, राजा घाट, बंगाली घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों की गहन सफाई कराते हुए सिल्ट हटाने का कार्य कराया जा रहा है। इससे घाटों का जलस्तर संतुलित बना रहेगा और श्रद्धालुओं को स्नान करने में कोई परेशानी नहीं हो। अधिकारियों का कहना है कि यमुना छठ पर्व से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सुनिश्चित कर ली जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। स्वच्छता अभियान के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल, सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया, महेश काजू सहित नगर निगम की टीम ने घाटों पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर समाजसेवी गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने किए ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन

वृंदावन आगमन पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका को स्मृति चिन्ह भेंट करते बृजवासी।

यूनिक सम, वृंदावन। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका शनिवार को यहां पहुंचे। मंदिर सेवायत मोहन गोस्वामी मम्मू के आचार्यत्व में बांकेबिहारी महाराज के दर्शन कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की।

राज्यपाल ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ ठाकुरजी के चरणों में शीश नवाया और ब्रज की आध्यात्मिक परंपरा की सराहना की।दर्शन के बाद राज्यपाल रमेन डेका रमणेरती क्षेत्र स्थित समाज सेविका शारदा हरलालका के निवास स्थान पर पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय ब्रजवासियों और गणमान्य लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ब्रज की संस्कृति, धार्मिक महत्व और यहां की परंपराओं के बारे में जानकारी ली। ब्रजवासियों ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए रामबाबू शर्मा ने उन्हें वृंदावन की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया। नगर निगम के उप सभापति मुकेश सारस्वत ने कहा कि वृंदावन की आध्यात्मिकता पूरे देश ही नहीं बल्कि विश्व भर के श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। इस अवसर पर किशन हरलालका, मोती लाल ढेंगला, कुलदीप अरोड़ा एवं पवन शर्मा आदि उपस्थित थे।

तीर्थ नगरी में बिना परमिट दौड़ रहीं टू–व्हीलर टैक्सियां

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। तीर्थ नगरी में सरकार की टू–व्हीलर टैक्सी सेवा की पहल को टैक्स चोरी करने वाले लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे लोगों को न तो सरकार के टैक्स की चिंता है और लोगों की जान की।

बृज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने प्रदेश परिवहन विभाग सचिव से शिकायत की है। कहा है कि मथुरा जिला एक प्राचीन धार्मिक नगरी है। यहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। वर्ष 2013 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रोत्साहित स्टार्टअप (स्वरोजगार) अभियान से प्रेरित होकर ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति ने मथुरा परिवहन विभाग के सहयोग से ब्रज क्षेत्र में पहली बार टू–व्हीलर टैक्सी सेवा का शुभारंभ किया। इस पहल से दर्जनों लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। सरकार को रोड टैक्स, फिटनेस टैक्स एवं परमिट शुल्क के रूप में राजस्व प्राप्त होना शुरु हुआ। सभी अधिकृत टू–व्हीलर टैक्सी संचालकों का पुलिस सत्यापन भी कराया गया है, जिसके पश्चात ही उनका संचालन किया जा रहा है। किन्तु वर्तमान में कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से (सफेद नंबर प्लेट वाले निजी वाहनों से) टू–व्हीलर टैक्सी का संचालन किया जा रहा है। यह न केवल सरकार के राजस्व को हानि पहुँचा रहा है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत खतरनाक है। पूर्व में एक एनआरआई श्रद्धालु के साथ गंभीर घटना घटित हो चुकी है, इसकी सूचना केंद्र एवं राज्य स्तर तक पहुँची थी, परंतु ठोस कार्रवाई के अभाव में अवैध संचालन निरंतर बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के आसपास, धौली प्याऊ, बरसाना मंदिर क्षेत्र एवं वृंदावन स्थित प्रेम मंदिर के पास एक दर्जन से अधिक लोग अवैध रूप से टू–व्हीलर टैक्सी संचालित कर रहे हैं। उन्होंने अवैध संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

महिला और साधु वेशधारी का सड़क पर हाईवोल्टेज ड्रामा

सड़क पर महिला बाल खीच कर साधु वेशधारी को पीटते हुए।

संवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। 15 साल से पत्नी को छोड़कर प्रेमिका के साथ रह रहे साधु वेशधारी कार चालक की भीड़ ने धुनाई कर डाली। मौके पर पहुची पुलिस साधु वेशधारी कार चालक को थाना ले आयी।

थाना बलदेव निवासी महिला ने बताया कि उसका विवाह 19 बर्ष पूर्व थाना मांट क्षेत्र निवासी युवक से हुआ था। साधु वेशधारी पठानकोट जालंधर में एक कम्पनी में साफ्टवेयर इंजीनियरिंग पद पर तैनात था । इस बीच साधु वेशधारी के कम्पनी में एक अन्य महिला से संबंध बन गए और वह अपनी पत्नी ब बच्चों को छोड़कर प्रेमिका के साथ रहने लगा। पत्नी को आज साधु वेशधारी की राया आगमन की सूचना मिलने पर

पत्नी को छोड़कर प्रेमिका के साथ रह रहे साधु वेशधारी पति की धुनाई

पत्नी ने मांट क्रासिंग के समीप लोगों के सहयोग से महिला ने साधुवेशधारी पति की गाड़ी पर चढ़ गयी और ईंट प्रहार कर उसकी गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। बीच सड़क पर हाईवोल्टेज ड्रामे को देखकर लोगो की भीड़ एकत्रित हो गयी। इस दौरान साधुवेशधारी ईंट लेकर महिला की तरफ दौड़ा इस दौरान मौजूद भीड़ ने उसकी जमकर धुनाई कर डाली। इस दौरान सड़क पर जाम लग गया। सूचना पर पहुची पुलिस साधुवेशधारी को थाना राया ले गयी। और मामले की जानकारी कर रही है।

CIMS
सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
(Multi Super Speciality Hospital With 200+ Beds Facility)

डॉ. गौरव भारद्वाज
चेयरमैन -
सिटी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स
कैथलैब, सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ई.को., टी.एम.टी., ई.ई.जी., एन.सी.वी एडवांस्ड सर्जीकल माइक्रोस्कोप, पैथ-लैबोरेट्री तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध।
देश के जाने-माने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा
अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इलाज
अब एक ही छत के नीचे सिम्स मथुरा में 24 घण्टे उपलब्ध है।
टीपीए एवं बीमा कम्पनियों द्वारा कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
अपॉइंटमेंट बुक करें : 9258113570, 9258113571
सिम्स हॉस्पिटल, निकट श्रीराधा वैली, एन.एच.19, मथुरा

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से स्टेशन पर गंदगी का साम्राज्य

मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म पर दिखाई दे रही गंदगी का नजारा।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर सफाई कराने वाले ठेकेदार द्वारा स्टेशन सहित अन्य स्थानों पर सफाई करने वाले कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं दिया गया। वेतन न मिलने पर आक्रोशित कर्मचारियों ने सफाई काम को बंद कर हड़ताल कर दी। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण स्टेशन प्लेटफार्मों सहित अन्य स्थानों पर बुरी तरह से गंदगी फैली हुई है। स्टेशन पर सफाई कर्मचारियों द्वारा वेतन न दिए जाने के कारण प्रदर्शन किया गया। बताया गया कि ठेकेदार से एक महिला सफाई कर्मचारी लज्जा देवी ने अपने द्वारा नौकरी के लिए दिए गए ठेकेदार को 20 हजार रुपये और वेतन मांगा इस पर ठेकेदार ने कह दिया कि उसके पास कोई पैसा नहीं है। यहां से भाग जाओ। ठेकेदार द्वारा किए गए इस व्यवहार से महिला एक साथ बेहोश होकर गिर गई।

तीन माह से सफाईकर्मियों को नहीं मिला वेतन

ठेकेदार द्वारा वेतन देने से मना करने पर महिला हुई अचेत

महिला को इस हालत में देख वहां मौजूद सफाई कर्मचारियों ने तुरंत महिला को उठाकर जिला अस्पताल लाए। जिला आस्पताल लाकर महिला को भर्ती कराया गया। इसके बाद सफाइ कर्मचारियों ने ठेकेदार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण स्टेशन पर गंदगी में यात्री प्लेटफार्म पर बैठने के लिए मजबूर हैं।

हाइवे क्रास करती महिला को अज्ञात वाहन ने रौंदा

यूनिक समय मथुरा। कोसीकलां में खेत से लौटती एक महिला को हाइवे क्रास करने के दौरान किसी वाहन ने रौंद दिया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इसके साथ ही नंदगांव रोड पर बाइक सवार युवक को बरचावली वाली पुलिया के समीप तेज गति से आते किसी वाहन टक्कर मार दी,जिससे उसकी मौत हो गई।

कोसीकलां में रहने वाली द्रोपदी सैनी का हाइवे के समीप खेत है। रोजाना की तरह वह आज भी खेत के लिए गई थी। खेत से काम करने के बाद वह घर के लिए लौट रही थी। हाईवे पर होटल मोती महल के समीप सड़क क्रास करने के दौरान तेज गति से आते किसी वाहन ने महिला को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई। दुर्घटना करने वाला वाहन मौके से भाग गया। महिला की मौत का पता लगने पर उसके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों का कहना है कि उनके खेत हाइवे के दूसरे किनारे पर है। खेत से लौटने के दौरान हाइवे को क्रास करके आना पड़ता है, जिसके चलते ग्रामीणों के साथ आए दिन इस तरह की घटनाएं

खेत से लौटने के दौरान हुआ हादसा

नंदगांव रोड पर बाइक सवार सड़क हादसे में मरा

घट रही है। एक साल के अंदर इसी स्थान पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में ये तीसरी दुर्घटना है। इससे पूर्व गांव ठाकुर लाल सैनी और एक अन्य ग्रामीण की मौत भी खेत से लौटने के दौरान हाइवे क्रास करने के दौरान हो चुकी है।

इसी थाना क्षेत्र के नंदगांव निवासी खजान सिंह बीती रात फालने के लिए बाइक से जा रहा था। कोसीकलां राजागढ़ी मार्ग पर गांव बरचावली की पुलिया के समीप किसी तेज गति से आते वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में खजान सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना करने के बाद चालक वाहन को मौके से भगा ले गया। दुर्घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पास से मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने उसके परिवार के लोगों को भी इस दुखद हादसे की जानकारी दी।

ईंटों से भरी ट्राली से बाइक टकराई युवक की हुई मौत, किशोरी गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के ग्राम पानी गांव के समीप बाइक सड़क किनारे खड़ी ईंटों से भरी ट्राली से टकराई गई। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। उसके चाचा की लड़की बुरी तरह से घायल हो गई।

थाना यमुनापार के गांव नगला खेड़ा निवासी अजीत सामान खरीदने के लिए जा रहा था। उसके साथ उसके चाचा की लड़की नेहा पुत्री राजू भी बाइक से जा रही थी। बताया गया कि इन की बाइक जैसे ही पानी गांव के समीप पहुंची वहां सड़क किनारे ईंटों से भरी ट्राली खड़ी हुई थी। अजीत की तेज गति से दौड़ती बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्राली में घुस गई। दुर्घटना में इतनी भयंकर थी कि तेज आवाज के साथ दोनों बुरी तरह से घायल होकर सड़क पर गिर गए। दुर्घटना का पता लगने पर वहां मौजूद लोग इस ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने दोनों घायलों को हास्पिटल पहुंचाने का प्रयास किया। पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने से पहले अजीत की मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने गंभीर रुप से घायल नेहा को हास्पिटल पहुंचाया। परिवार के लोगों को भी पता लगा तो वे भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने अजीत के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रंगजी मेला में नकली दरोगा पकड़ा

यूनिक समय, वृंदावन। रंगनाथ मंदिर के ब्रह्मोत्सव मेला में एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया। शिकायत मिली थी कि एक युवक खाकी वर्दी पहनकर लोगों को डरा धमका रहा है। फिर क्या इलाका पुलिस ने उसे धर दबोचा। उसने अपना शिवम चौधरी बताया है। रंगजी पुलिस चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस के एसआई की वर्दी पहने था। युवक दिमागी रूप से कमजोर बताया गया है।

रेतिया बाजार में महिला ने लगाई फांसी

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के रेतिया बाजार इलाके में रहने वाली एक महिला ने बीती रात फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली। महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर परिवार के लोगों में हड़कप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। बूचीराम गढ़ी रेतिया बाजार इलाके में रहने वाली हेमलता पत्नी लोकेंद्र ने कल घर पर किसी बात लेकर हुए विवाद के चलते रात के समय घर के अंदर फांसी लगा ली। महिला द्वारा फांसी लगाए जाने का पता लगने पर परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। हेमलता के परिवार के लोगों को भी सूचना दी गई। सूचना

परिवारिक विवाद के चलते दिया घटना को अंजाम

मिलने पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने हेमलता के शव को फांसी के फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हेमलता के मायके के लोग भी वहां पहुंच गए। इस मामले में परिवार के लोगों द्वारा हेमलता द्वारा फांसी लगा कर आत्महत्या किए जाने पर संशय जाहिर करते हुए उसके साथ अनहोनी की आशंका जाहिर की गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा
QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA Creating an Ecosystem for Quality
जनरल सर्जरी विभाग
दूरबीन एंव चीरा विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन रियायती खर्चे पर।
★ गुर्दे की पथरी/पित्त की थैली की पथरी
★ स्तन के कैंसर की सर्जरी
★ स्तन की गाँठें ★ हर्निया प्लास्टी
★ अपेन्डिक्स ★ बवासीर व भगन्दर
★ हाइड्रोसिल (अण्डकोष) का ऑपरेशन
★ वेरीकोज वेंस (नसों संबंधी ऑपरेशन)
★ पेट में गैस एवं एसिडिटी की सर्जरी
★ आहार नली, पित्त की नली में सूजन व रुकावट
★ पेट में अल्सर एवं कैंसर की सर्जरी
★ अग्नाशय में कैंसर की सर्जरी
★ आंतों में रुकावट एवं ट्यूमर की सर्जरी
★ प्रोस्टेट कैंसर ★ पेशाब की नली में गाँठ
★ गुर्दों का कैंसर ★ पेशाब संबंधी परेशानी
फ्री ओ.पी.डी.
प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक
24 x 7 आपातकालीन सेवाएं

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से इलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा
के. डी. हॉस्पीटल
हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741
★ सुविधाएं
• उच्च प्रशिक्षित डाक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ
• ICU, SICU, HDU (वेंटीलेटर सहित)
• ब्लड बैंक, डायलिसिस
• अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर
• सीटी स्कैन/एम.आर.आई
• पैथोलॉजी

पासवर्ड और संपत्ति विवाद बना हत्या का कारण

मां के सामने छोटे भाई ने बड़े भाई की पीट-पीटकर कर दी हत्या

यूनिक समय, आगरा। थाना कोतवाली क्षेत्र में मोबाइल का पासवर्ड न बताने और संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आई मां को भी आरोपी ने धक्का देकर गिरा दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना शुक्रवार देर रात थाना कोतवाली क्षेत्र के टीला माईथान इलाके की है। यहां रहने वाली पूनम शर्मा ने बताया कि वह बाग मुजफ्फर खां क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत हैं। उनके पति का करीब पांच महीने पहले निधन हो गया था। परिवार में उनके दो बेटे गौरव शर्मा (30) और आकाश शर्मा (26) थे।

पूनम के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 12 बजे सभी ने साथ में खाना खाया और सोने चले गए। कुछ देर बाद छोटा बेटा आकाश नीचे आया और बड़े भाई गौरव से मोबाइल मांगा, ताकि वह अपने जीजा को फोन कर सके। गौरव ने मोबाइल दे दिया, लेकिन जब आकाश ने पासवर्ड पूछा तो उसने पासवर्ड बताने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आकाश गुस्से में आकर गौरव से मारपीट करने लगा। उसने गौरव को जमीन पर गिरा दिया और पेट में लात-घूंसे मारने लगा। आरोप है कि उसने लाठी-डंडों से भी पीटा और घर में रखी एलईडी उठाकर गौरव के सिर पर दे मारी। इससे गौरव गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके सिर से खून बहने लगा।शोर सुनकर मां पूनम दूसरे कमरे से दौड़कर मौके पर पहुंचीं और दोनों बेटों को छुड़ाने की कोशिश की। लेकिन आकाश ने उन्हें भी धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। मां के सामने ही गौरव जमीन पर तड़पने लगा। कुछ देर बाद जब उसकी कोई हलचल नहीं हुई तो आकाश ने कहा कि उसकी सांस चल रही है और उसे अस्पताल ले जाओ। मां ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल गौरव को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मां पूनम ने बताया कि आकाश करीब सात महीने पहले मुंबई से काम छोड़कर घर लौट आया था। वह शादी-पार्टी में फोटोग्राफी का काम करता था, लेकिन अक्सर पैसों की तंगी रहती थी। पिछले कुछ समय से उसे जुआ और सट्टा खेलने की लत लग गई थी और वह नशा भी करने लगा था। वह अक्सर पैसों की मांग करता था और न देने पर झगड़ा करता था। मकान के बंटवारे को लेकर भी वह आए दिन विवाद करता था। पूनम ने बताया कि वह बड़े बेटे गौरव की शादी के लिए लड़की देख रही थीं, लेकिन उससे पहले ही छोटे बेटे ने उनका पूरा संसार उजाड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संत प्रेमानंद के जन्म दिन पर केली कुंज सजा

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज के जन्म दिन पर केलीकुंज आश्रम को दुल्हन की तरह से सजाया गया है। हर भक्त के मन में संत प्रेमानंद महाराज के प्रति आस्था है। इसलिए बड़ी संख्या में भक्त केलीकुंज आश्रम और सौरभिवन पहुंच गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म भी संत प्रेमानंद महाराज से मिलने के लिए आ रही है। महाराज श्री के जन्म दिन को विशेष रुप से मनाया जा रहा है।

छटीकरा हाईवे पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर, दो घायल

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा हाईवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार और पैदल व्यक्ति दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को उठाकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नई ब्लॉक इकाई ने खंड शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया

राया के खंड शिक्षा अधिकारी को सम्मानित करते राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई राया की नई कार्यकारिणी के निर्वाचन के बाद पदाधिकारियों ने शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी बुद्ध सिंह का स्वागत किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। कहा कि उनके स्तर से संगठन का कोई भी कार्य लंबित नहीं रहने दिया जाएगा और किसी भी शिक्षक या शिक्षिका का कार्य नहीं रुकेगा।

जिला मीडिया प्रमुख गोवर्धन दास गुप्ता ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से खंड शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया। ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम गुप्ता ने कहा कि संगठन हर माह शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए खंड शिक्षा अधिकारी से मुलाकात करेगे। ब्लॉक महामंत्री शैलेंद्र परिहार ने शिक्षकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की परेशानी ही उनकी अपनी परेशानी है। इस अवसर पर संरक्षक अशोक पाठक, भगवान सिंह पचोरी, मनमोहन गौतम, प्राची अग्रवाल, कवेंद्र सिंह, शिखा मिश्रा, पवन गौतम, प्रमोद वर्मा, विनीता वर्मा, नीलम सिंह, सोनिया सिंह, चंदन सिंह, अवधेश कुमार, जन्मजेय सिंह, अनुराधा खरे, रश्मि शर्मा आदि उपस्थित थे।

माखन चोरी लीला सुनकर भाव विभोर हो गए श्रद्धालु

चरणामृत कुंड में चल रही श्रीमद भागवत कथा का वर्णन करते संत चिन्मयानंद बापू महाराज। साथ अन्य संत एवं विद्वतजन।

यूनिक समय, गोवर्धन। बड़ी परिक्रमा मार्ग स्थित चरणामृत कुंड पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन संत चिन्मयानंद बापू महाराज ने भगवान बालकृष्ण भगवान की माखन चोरी लीला का वर्णन किया जिनको सुनकर सभी भक्तजन का भाव विभोर हो गये। महायज्ञ के पांचवें दिन कथा सुनने बृजवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। परम साध्वी पूर्णिमा दीदी के भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर थिरकने लगे। भागवत कथा में सुदामाकुटी नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज, अध्यात्म पीठाधीश्वर प्रकाश महाराज, डॉ. मनमोहन शास्त्री,राजू भैया ने व्यास पीठ का पूजन करके भक्तजनों को अपना आशीर्वाद दिया। भागवत व्यास संत चिन्मयानंद बापू ने भागवत कथा का रसपान कराया।

बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी लीला केवल एक बाल लीला नहीं बल्कि उसके पीछे गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा है। उन्होंने बताया कि ठाकुरजी ने ब्रजवासियों को आनंद प्रदान करने और उनके हृदय में प्रेम भाव जागृत करने के लिए यह लीला की थी। यह लीला दर्शाती है कि भगवान अपने भक्तों के साथ स्नेह और प्रेम का संबंध रखते हैं। इस अवसर पर मुरारी लाल गोयल, मयंक वैद्य, प्रियंका पांडेय, गीतिका शर्मा, मीमांशा, गंगादास , ओमप्रकाश, हरीश जोशी, व्यापार मंडल के अध्यक्ष गणेश पहलवान, हनी पाठक आदि उपस्थित थे।

भांडिरवन में सजी राधा-कृष्ण की दिव्य बारात

श्री राधा-कृष्ण व्याहुला उत्सव में लायंस क्लब मथुरा स्टार्स के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा/मांट। ब्रज की पावन स्थली भांडिरवन में लायंस क्लब मथुरा स्टार्स के द्वारा श्री राधा-कृष्ण व्याहुला उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को द्वापर युग की दिव्यता का अनुभव हुआ और पूरे क्षेत्र में भक्ति का वातावरण छा गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ठाकुर जी की भव्य बारात रही। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों के साथ निकली बारात में श्रद्धालु 'राधे-राधे' के जयघोष के साथ भजनों पर झूमते नजर आए। भांडिरवन की गलियों से गुजरती बारात का श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वंशीवट पहुंचने पर बारात का भव्य स्वागत हुआ, जिसके बाद ब्रह्मा जी की साक्षी में

श्रद्धालुओं ने मनाया व्याहुला उत्सव

गठबंधन और व्याहुला की रस्में संपन्न कराई गईं। क्लब के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने बताया कि भांडिरवन की महिमा को जन-जन तक पहुंचाने और युवा पीढ़ी को ब्रज संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंकुर-रीतु, अक्षय-रेखा, सागर-अंकिता, देवांशु-रूबल, दिलीप-दीपा, अमित-शिखा, राहुल-रश्मि, नितिन-खुशबू, नितिन-शालू, नितिन-दीपिका और वीनित-आरती सहित क्लब के सदस्यों मौजूद रहे।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का समापन समारोह सम्पन्न

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारंभ करते स्वामी महेशानंद सरस्वती महाराज के साथ अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। विदुषी स्व. श्रीमती मिथलेश शाह की पुण्य स्मृति में कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा के बैनर तले आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का समापन समारोह संस्थान परिसर, गोवर्धन रोड हुआ।

स्वामी महेशानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। निर्धन एवं असहाय लोगों को बिना किसी शुल्क के नेत्र परीक्षण तथा शल्य चिकित्सा उपलब्ध कराना वास्तव में मानवता की श्रेष्ठ सेवा है। उन्होंने कहा कि यदि समाज के सक्षम वर्ग ऐसे प्रयासों में सहयोग दें तो किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को उपचार के अभाव में कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा।

शिविर के दौरान 459 नेत्र रोगियों का पंजीकरण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सभी की नेत्र जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया तथा चयनित 101 मरीजों के नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए। संस्थान महासचिव सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि यह सेवा संस्थान लम्बे समय से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को नेत्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इस अवसर पर एस.पी. गुप्ता, गिरीश गुप्ता, ललित जगदीश कुमार ग्रोवर (मुंबई), गजानन्द अग्रवाल (साड़ी वाले), नीरज वशिष्ठ (पार्षद), हरि मोहन शर्मा, देवेन्द्र तिवारी (एडवोकेट), लेखराज सिंह एवं डॉ. अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

जेसीआई मथुरा सिटी ने महिला दिवस पर मनाया उत्सव

महिला दिवस मनाती जेसीआई मथुरा सिटी की सदस्याएं

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा सिटी द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्याय की सभी जेसी लेडीज़ों ने महिला सशक्तिकरण को आत्मनिर्भरता बनने का संदेश दिया।

इस अवसर पर लेडीज़ सदस्यों ने सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने तथा जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर महिला दिवस मनाया गया। इस मौके पर अध्याय अध्यक्ष संतोष सिंघल, सचिव गोविंद अग्रवाल, अध्याय की प्रथम महिला रेखा सिंघल सहित दीपिका अग्रवाल, रुकमणी अग्रवाल, नूपुर अग्रवाल, मंजरी अग्रवाल, दीक्षिता खंडेलवाल, रितु खंडेलवाल, प्रेरणा अग्रवाल, अंशु अग्रवाल, रिद्धिमा अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, पूजा अग्रवाल और कृतिका अग्रवाल उपस्थित रहीं।

रिसर्च के क्षेत्र में जीएलए विश्वविद्यालय का नया कीर्तिमान

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय ने बीते सत्र में अनुसंधान और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विश्वविद्यालय को केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख एजेंसियों से करोड़ों रुपये का शोध अनुदान प्राप्त हुआ है, वहीं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में भी महत्वपूर्ण शोध कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इन उपलब्धियों ने जीएलए विश्वविद्यालय को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक उभरते हुए शोध केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने इस सत्र में कई महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं प्राप्त की हैं। इनमें सबसे प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित 'जेनेसिस' परियोजना है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर को 2.2 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य देश के उभरते उद्यमियों और स्टार्टअप्स को विश्वस्तरीय तकनीकी सुविधाएं और नवाचार का सशक्त मंच प्रदान करना है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने भी इस सत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज कराई है।

विभाग की वैज्ञानिक डॉ. शर्मिष्ठा साहा को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री अर्ली करियर रिसर्च ग्रांट के तहत लगभग 49 लाख रुपये से अधिक की राशि का शोध प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है। यह शोध हड्डियों के उपचार के लिए विशेष पेप्टाइड कंपोजिट के विकास से संबंधित है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को पहचान मिली है। डॉ.

प्रो. कमल शर्मा

अनुसंधान के क्षेत्र में जीएलए विश्वविद्यालय की बड़ी छलांग

करोड़ों की परियोजनाओं से वैश्विक रिसर्च में बढ़ा कदम

हिमांशु गुप्ता को अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ से लगभग 83 लाख रुपये से अधिक की शोध अनुदान राशि प्राप्त हुई है। इस परियोजना के अंतर्गत वे 'भारत में जटिल मलेरिया के अध्ययन के लिए केंद्र–छिपे हुए प्लाज्मोडियम संक्रमण के माइक्रो–आरएनए आधारित बायोमार्कर' विषय पर शोध कार्य करेंगे। इसी क्रम में जीएलए विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. शुभम शर्मा, भौतिकी विभाग के डॉ. धर्मवीर सिंह तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. स्वरूप कुमार पांडे को उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद से भी महत्वपूर्ण शोध अनुदान प्राप्त हुए हैं। ये शोधकर्ता जटिल वैज्ञानिक समस्याओं के समाधान के साथ–साथ समाजोपयोगी तकनीकी विकास पर भी कार्य कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के लीगल स्टडीज विभाग द्वारा डॉ. सोमेश धमीजा के नेतृत्व में भारतीय महानगरों की वंचित आबादी के लिए सतत स्वास्थ्य समाधान विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा 20 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है।

डॉ. भारती मंगला द्वारा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए विकसित किया जा रहा डिजिटल मोबाइल ऐप तथा डॉ. योगेंद्र कुमार द्वारा स्थायी ऊर्जा समाधानों पर किया जा रहा शोध विश्वविद्यालय में वर्तमान समय में लगभग 600 समर्पित शोधार्थी अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में विभिन्न विषयों पर अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अनुसंधान एवं विकास विभाग के डीन प्रो. कमल शर्मा ने कहा कि यह सत्र विश्वविद्यालय के लिए सृजनात्मकता और शोध गतिविधियों का स्वर्णिम काल साबित हो रहा है। एसोसिएट डीन अनुसंधान एवं विकास डॉ. कुशाग्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय में एक सशक्त शोध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया गया है, जहां छात्र और शिक्षक मिलकर वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार होता है और मथुरा की इस पावन धरा से वैश्विक स्तर का शोध कार्य निकलना पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय में शोध कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने प्रशासनिक प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य आने वाले वर्षों में शोध अनुदान को दोगुना करना और अधिक से अधिक नवाचारों को पेटेंट के रूप में दर्ज कराना है, ताकि इन शोधों का वास्तविक लाभ समाज तक पहुंच सके।

कृष्णा नगर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के तहत लगाए गए नए फूलों के घमले, वही गोवर्धन रोड पर रेलिंग की पुताई करते कर्मचारी। राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व नगर निगम का शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने का अभियान जारी।

पीठाधीश्वर वागीश कुमार का नागरिक अभिनंदन

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की ओर से पांचजन्य सभागार में द्वारकाधीश मंदिर के तृतीय पीठाधीश्वर 108 श्री वागीश कुमार महाराज के साठ बसंत पूर्ण होने पर षष्ठीपूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनका नागरिक अभिनंदन कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा एडवोकेट, सचिव नारायण प्रसाद शर्मा, राजकुमार गौतम और देवी चरण गौतम ने महाराज जी को पटका, दुशाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इसी क्रम में अखिल भारतीय गौड़ मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मुकुट वाले तथा दिवाकर आचार्य ने भी महाराज को दुशाला ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों ने महाराज के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

अपना घर आश्रम में लगाया विधिक शिविर

यूनिक समय, वृन्दावन। ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय मथुरा के बैनर तले अपना घर आश्रम, चैतन्य बिहार फेस टू में विधिक शिविर लगाया। विधिक शिविर में डीएलएसए के प्रतिनिधि पीएलवी उमा शंकर शर्मा ने अपना घर आश्रम में निवासरत बेसहारा, परिवारविहीन, वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक किया। बताया कि न्यायपालिका अंतिम छोर के व्यक्ति के लिये न्याय प्रदान कराने और उन्हें हर संभव सरकारी मदद तथा लाभार्थियों को लाभ दिलाने के लिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है, अगर किसी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है तो वह व्यक्ति सीधे डीएलएसए में सचिव /न्यायाधीश को शिकायत कर सकते है। पीएलवी उमा शंकर शर्मा ने प्रभुजनों को बताया कि न्यायपालिका के प्रतिनिधि जनता के द्धार जाकर उनकी समस्याओं और शिकायतों को सुन रहे है, और निदान करने के उपाय भी बताये जा रहे है,अगर उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है तो वह नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। विधिक शिविर में पीएलवी दीपक गोस्वामी ने विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से किये जा रहे लोक कल्याणकारी कार्यों की जानकारी देकर जागरूक किया। उन्हें वृद्ध पेंशन योजना, बैंक बीमा,आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि की जानकारी दी। शिविर में अपना घर आश्रम के कार्यालय प्रभारी विवेक पाठक, सचिव अजय अग्रवाल, अध्यक्ष धन्नाराम चौधरी,आदि लोग थे।

कौशल विकास को राजीव एकेडमी और ड्यूकैट नोएडा ने मिलाए हाथ

छात्र–छात्राओं के करियर उत्कृष्टता को मिलेगा बढ़ावा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट ने विद्यार्थियों के कौशल विकास और करियर उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ड्यूकैट, नोएडा के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करना तथा बेहतर रोजगार अवसरों के लिए तैयार करना है। राजीव एकेडमी के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना और ड्यूकैट के मार्केटिंग हेड उत्कर्ष उपाध्याय ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद विद्यार्थियों के कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और उद्योग से जुड़ी व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर विस्तार से बात की। डॉ. सक्सेना ने बताया कि इस अनुबंध से राजीव एकेडमी के विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होगा, साथ ही उन्हें उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट कार्य, इंटर्नशिप और करियर परामर्श जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को विकसित कर सकें। डॉ. सक्सेना ने कहा कि यह एमओयू संस्थान के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और करियर मार्गदर्शन के नए अवसर प्राप्त होंगे, जो उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि राजीव एकेडमी भविष्य में भी ऐसे उद्योग सहयोग स्थापित करती रहेगी, जिससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। ड्यूकैट के मार्केटिंग हेड उत्कर्ष उपाध्याय ने कहा कि राजीव एकेडमी के साथ यह सहयोग विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने बताया कि ड्यूकैट लम्बे समय से तकनीकी प्रशिक्षण और करियर विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और इस साझेदारी के माध्यम से छात्र–छात्राओं को उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। राजीव एकेडमी के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने कहा कि यह अनुबंध विद्यार्थियों के करियर निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी और व्यावहारिक कौशल का विकास अत्यंत आवश्यक है। इस सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनके रोजगार के अवसर और भी बढ़ेंगे। आर.के. एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने अनुबंध की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक ज्ञान के साथ ही उद्योगों के अनुरूप व्यावहारिक कौशल की जानकारी मिलेगी। ड्यूकैट के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी तथा उन्हें तकनीकी क्षेत्र में बेहतर करियर बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते दोनों संस्थानों के पदाधिकारी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट अनिवार्यता का विरोध

विरोध के प्रथम चरण में पोस्टकार्ड अभियान की शुरुआत करते शिक्षक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व से कार्यरत शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट अनिवार्यता का विरोध करते हुए सभी शैक्षिक संगठनों ने एक साथ अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ (जेएफटीआई) के आह्वान पर देशव्यापी शिक्षक आंदोलन पर विस्तृत चर्चा की । विरोध के प्रथम चरण में पोस्टकार्ड लिखा गया। योगराज चाहर टीएससीटी प्रांतीय मंत्री ,शैलेंद्र यादव अटेवा जिला संरक्षक,सीमा सारस्वत अटेवा जिला महिला संरक्षिका, प्रदीपिका फौजदार अटेवा जिलाध्यक्ष,गोविंद चौहान टीएससीटी जिलाध्यक्ष,नरेंद्र चौधरी जिलाध्यक्ष बेसिक शिक्षा वेलफेयर एसोसिएशन,मुनीश चौधरी जिलाध्यक्ष उप्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के, राजेंद्र सिंह जिलाध्यक्ष यूटा, वैचारिक शिक्षक वैलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष सुरेश चंद व जिलाध्यक्ष भगवान सिंह,एकजुट जिलाध्यक्ष दिवाकर चौबे,एसीएसटी बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अशोक प्रिय एवं ओमप्रकाश सिंह जिलाध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ आदि विभिन्न संगठनों ने जेएफटीआई में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,नेता प्रतिपक्ष लोकसभा,शिक्षा मंत्री भारत सरकार,मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम से पोस्टकार्ड पर लिखकर संबंधित लोगों को भेजा गया। योगराज चाहर,शैलेंद्र ने सभी लोगों का आह्वान करते हुए कहा उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रथम चरण के कार्यक्रम में आप सब की महती भूमिका है। मीडिया प्रभारी मनीष दयाल का मत रहा कि नियुक्ति पूर्व शर्तों को बीच नौकरी में बदला जाना सर्वथा अनुचित है।

पोस्ट कार्ड अभियान की शुरुआत

रात के समय नाभि में डाले नारियल तेल

चेहरे पर दिखेगी चमक,सेहत को मिलते हैं कई फायदे

यूनिक समय, मथुरा। पुराने समय में आज की तरह बाजार एक से बढ़कर एक स्किन केयर प्रोडक्ट्स से नहीं भरा था। उस समय लोग स्किन और सेहत के लिए घरेलू और आयुर्वेदिक नुस्खों का सहारा लेते थे। ऐसा ही एक नुस्खा है नाभि में तेल डालना। नाभि में तेल डालने पर शरीर में एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं। नाभि में तेल डालने को नाभि चिकित्सा कहा जाता था और इसके फायदे पाचन, मेटाबॉलिज्म, इम्यूनिटी और त्वचा में देखे जाते थे। इसके अलावा त्वचा पर भी इस आयुर्वेदिक नुस्खे के फायदे देखने को मिलते हैं। यूं तो नाभि में कई तरह के तेल डाले जा सकते हैं लेकिन नारियल का तेल बेहद फायदेमंद साबित होने वाले तेलों की गिनती में शामिल है।

नाभि में नारियल का तेल डालने के लिए इस तेल को हल्का गर्म कर लें। तेल न के बराबर गर्म होना चाहिए उससे ज्यादा नहीं।

रात में सोने से पहले तेल की 2 से 3 बूंदे नाभि में डालें। रोजाना रात में ऐसा किया जा सकता है। नाभि में तेल डालने पर स्ट्रेस से छुटकारा भी मिल सकता है। इसके अलावा त्वचा को अंदरूनी रूप से हाइड्रेशन मिलता है और स्किन से झुर्रियां हटाने और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में भी नाभि में तेल डालना फायदेमंद साबित होता है।

नारियल के तेल में एंटी–फंगल गुण होते हैं तो नाभि को साफ रखते हैं और किसी भी तरह का इंफेक्शन होने से रोकते हैं। इसके अलावा नारियल तेल एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भी भरपूर होता है और रेडनेस, सूजन और नाभि में दर्द हो तो उसे कम करने में मदद करता है। इस तेल को नाभि में डालने पर बदबू दूर होती है। नाभि साफ तो हो ही जाती है, साथ ही उसके आसपास की स्किन भी चमकती है।

नाभि अक्सर शरीर का ऐसा हिस्सा है जिसे लोग नजरअंदाज कर देते हैं और जिसकी सही तरह से सफाई करना भूल जाते हैं। ऐसे में नारियल के तेल को नाभि में डालने पर यह चिंता दूर हो जाती है।

इरिटेशन और इंफ्लेमेशन को दूर करने और हीलिंग गुण पाने के लिए भी नारियल का तेल नाभि में डालना फायदेमंद होता है।

फ्रिज में इन चीजों को रखने की है मनाही

यूनिक समय, मथुरा। आजकल लोग बाजार से बल्क में खाने पीने की चीजें खरीदकर ले आते हैं और फिर उसे फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। ताकि उन्हें बार बार बाजार ना जाना पड़े, लेकिन क्या हर फूड आइटम फ्रिज में रखना ठीक है इसके बारे में आपने कभी सोचा है।

अगर नहीं तो आज इसी के बारे में बात करेंगे। आपको बताएंगे कौन से फूड को फ्रिज में स्टोर करने से उनकी क्वालिटी खराब हो जाती है।

नींबू और संतरा फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए, क्योंकि इनके पोषक तत्वों का असर कम होने लगता है। यहां तक कि स्वाद में भी अंतर आ सकता है। इसलिए इन दोनों को उतना ही खरीदें जितनी जरूरत हो। वैसे आपको बता दें ये दोनों तीन से चार दिन बाहर रखने से खराब नहीं होती हैं। वहीं, पकने वाले फलों को फ्रिज में स्टोर नहीं करना चाहिए जिसमें खुबानी, एशियाई नाशपाती, एवोकैडो, केले, अमरूद, कीवी, आम, खरबूजे, पपीता, पैशन फ्रूट, आड़ू, नाशपाती, खुरमा, आलू बुखारा शामिल है।

अगर आप टमाटर लेकर आते हैं तो उसे फ्रिज में स्टोर कतई न करें। इसे नॉर्मल टेंपरेचर में रखें। विशेषज्ञ के मुताबिक टमाटर का स्वाद, बनावट और सुगंध में बदलाव होने लगता है। ये सब्जी ऐसी है जो पकने के बाद एथिलीन गैस छोड़ती है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है।

शिमला मिर्च को कवर करके पेपर बैग में डालकर फ्रिज में रखें। इसके अलावा खरबूजा और केले को भी फ्रिज में रखने से बचें। यह भी उनकी क्वालिटी खराब कर देता है।

कैंसर से बचा सकता है कच्चा आम!

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में आम के शौकीन लोग न सिर्फ पके आम खाते हैं, बल्कि कच्चे आम के भी पूरा मजा लेते हैं। अब बारी है कच्चे आमों के फायदों के बारे में जानने की। आम भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले फलों में शुमार है। कुछ लोग इसे कच्चा तो कुछ लोग पका खाना पसंद करते हैं। कच्चा आम अलग–अलग पोषक तत्वों का एक बेहतरीन सोर्स माना जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स, डाइटरी फाइबर और कैरोटीनॉयड पाया जाता है।

कच्चा आम चिलचिलाती गर्मी को मात देने का एक अचूक इलाज है। आम पन्ना कच्चे आम से बना एक फ्रेश ड्रिंक है, जिसका सेवन लोग अक्सर गर्मियों के मौसम में करते हैं। कच्चे आम हीट स्ट्रोक से बचाने में मददगार है। विटामिन सी का अच्छा सोर्स होने की वजह से कच्चे आम रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। चूंकि कच्चे आम में कैलोरी की मात्रा कम होती है।

यही वजह है कि ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देते हैं और वजन को घटाने में हेल्प करते हैं।

शुगर लेवल को करता है कंट्रोलः बाकी फलों की तुलना में कच्चे आम में नेचुरल शुगर की मात्रा बहुत कम होती है।

यही वजह है कि डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद है। इसका सेवन करने से ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगारः कच्चे आम खाने से इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। क्योंकि इसमें इम्युनिटी को बढ़ाने वाले जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। कुछ अध्ययनों की मानें तो कच्चे आम के रस का एक कप विटामिन ए की रोजाना कुल जरूरत का 10 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। कच्चे आम विटामिन सी से भी भरपूर होते हैं। दिल को हेल्दी रखने में कारगरः आम में पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल को हेल्दी रखने और ब्लड फ्लो को बनाए रखने में हेल्प करते हैं। ये पोषक तत्व आपके ब्लड वैसल्स को रेस्ट में भी मददगार हैं। इसके अलावा,

इसकी एक खास क्वालिटी शरीर को पहुंचाती है काफी फायदा

लो ब्लड प्रेशर की समस्या भी दूर कर सकते हैं। कच्चा आम मैंगफेरिन से भी भरपूर होता है। यह एक ऐसा सुपर एंटीऑक्सीडेंट है, जो दिल को हेल्दी रखने का काम करता है।

कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कच्चे आम ब्लड में मौजूद कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और फ्री फैटी एसिड के लेवल को कम करने में भी हेल्प करते हैं। कैंसर के खतरे को करता है कमः कच्चे आम में मौजूद पॉलीफेनोल्स की वजह से यह फल कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी लड़ सकता है। कच्चे आम में एंटी–कैंसर गुण होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, पॉलीफेनोल्स अलग–अलग कैंसर सेल्स को पैदा होने से रोकते हैं, जैसे– ल्यूकेमिया, कोलन, फेफड़े, प्रोस्टेट और ब्रेस्ट का कैंसर।

दादी–नानी का सुझाया यह हेयर पैक सफेद बालों को बना देगा गहरा काला

यूनिक समय, मथुरा। उम्र बढ़ती है तो बालों का सफेद होना भी शुरू हो जाता है। यह ऐसी प्रक्रिया है जिससे आज या कल दो चार होना ही पड़ता है। सफेद बालों की दिक्कत हो जाने पर बालों को काला करने के लिए लोग अक्सर ही अलग–अलग तरह के नुस्खे आजमाते दिख जाते हैं। लेकिन, हर नुस्खा ही कमाल का असर दिखाए ऐसा जरूरी नहीं है। यहां जिस नुस्खे की बात की जा रही है वह दादी–नानी का ऐसा नुस्खा है जिसके 2 से 3 बार इस्तेमाल से ही सफेद बालों पर असर नजर आने लगता है। इस हेयर पैक को घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और सफेद बालों की दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

सफेद बालों को काला करने के लिए आप इस हेयर पैक को बनाकर लगाया जा सकता है। इस हेयर पैक को बनाने के लिए आपको करी पत्ता और मेथी के दानों का इस्तेमाल करना होगा।

फेस पैक बनाने के लिए मेथी के दानों को भिगोकर रख दीजिए। अब जरूरत के अनुसार मेथी के दानों के बराबर

ही करी पत्ते ले लीजिए। दोनों को साथ मिलाकर पीस लीजिए।

तैयार है आपका हेयर पैक। इस हेयर पैक को आप 2 से 3 दिनों तक स्टोर करके भी रख सकते हैं। मेथी और करी पत्तों के इस हेयर पैक को आपको 15 दिनों में एक बार लगाना है।

बालों पर इस हेयर पैक को जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं और आधे घंटे से 45 मिनट तक लगाए रखने के बाद धो लें। इस हेयर पैक से बालों को सफेदी से छुटकारा मिलता है, डैंड्रफ की दिक्कत दूर होती है और बालों को कई एंटी–ऑक्सीडेंट्स भी मिलते हैं। मजबूत बाल पाने के लिए भी इस हेयर पैक को लगाया जा सकता है।

काले बाल पाने के लिए नारियल के तेल में मुट्ठीभर करी पत्ते डालकर पका लें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे बालों पर एक घंटा लगाए रखने के बाद धो लें। हफ्ते में 2 से 3 बाद इस नुस्खे को आजमाया जा सकता है। यह बालों को जड़ों से काला बनाने में मदद करता है।

सुविचार

सफलता शोर नहीं करती, मेहनत चुपचाप इतिहास बनाती है।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	09:16-09:41 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	04:49-05:56 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:39 AM	चन्द्रोदय	04:05 AM
सूर्यास्त		06:32 PM	चंद्रास्त	03:09 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		05:02PM:06:32PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

रसोई में जूते पहनना माना जाता अशुभ

बिगड़ सकता घर का ऊर्जा संतुलन

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय घरों में रसोई को हमेशा से पवित्र स्थान माना गया है। यहां केवल खाना ही नहीं बनता, बल्कि पूरे परिवार की सेहत, सुख और समृद्धि की "रसोई" भी तैयार होती है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में कई लोग इतनी जल्दी में रहते हैं कि किचन तक भी जूते–चप्पल पहनकर पहुंच जाते हैं। अब यह आदत वास्तु शास्त्र के हिसाब से कितनी भारी पड़ सकती है, यह सुनकर शायद कई लोग अपने जूते दरवाजे पर ही उतारना शुरू कर दें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास माना जाता है। यानी यह घर का वह स्थान है जहां भोजन के साथ–साथ सकारात्मक ऊर्जा भी पकती है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति जूते–चप्पल पहनकर किचन में प्रवेश करता है, तो वह बाहर की धूल–मिट्टी और नकारात्मक ऊर्जा को भी साथ ले आता है। वास्तु की भाषा में कहें तो यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे गर्मागर्म खिचड़ी में अचानक ठंडी हवा का झोंका आ जाए। वास्तु विशेषज्ञों के मुताबिक किचन का संबंध अग्नि तत्व से होता है, जबकि जूते–चप्पल पृथ्वी तत्व का प्रतीक माने जाते हैं। जब ये दोनों तत्व आमने–सामने आते हैं तो संतुलन बिगड़ सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह ठीक वैसा है जैसे गैस चूल्हे के पास कोई भारी पत्थर रख दिया जाए–न खाना ठीक से बनेगा, न माहौल ठीक रहेगा।

कुछ मान्यताओं के अनुसार किचन में जूते पहनकर जाने से घर की सकारात्मक ऊर्जा कम हो सकती है। इससे परिवार में तनाव, छोटी–छोटी बातों पर विवाद या आर्थिक परेशानियों जैसी स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं। यानी अगर घर में बिना वजह बहस हो रही हो, तो हो सकता है दोष किसी की जुबान का नहीं, बल्कि जूतों का हो!

हालांकि आधुनिक विज्ञान इस बात पर चुप्पी साधे रहता है, लेकिन स्वच्छता के लिहाज से भी यह सलाह बुरी नहीं है। जूते बाहर की गंदगी लेकर आते हैं, और रसोई वह जगह है जहां से स्वास्थ्य की शुरुआत होती है इसलिए अगली बार जब आप जल्दबाजी में किचन की ओर बढ़ें, तो जरा अपने पैरों की ओर भी देख लें। कहीं ऐसा न हो कि रोटी बनने से पहले ही वास्तु देवता "रेड कार्ड" दिखा दें। आखिर घर की रसोई है, कोई जूता–स्टैंड नहीं!

आशियाने में चाहिए सुख–समृद्धि तो यहां रखें पायदान

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र हिंदू धर्म में काफी प्रचलित शास्त्र माना जाता है। व्यक्ति के जीवन में सुख–समृद्धि पाने के लिए इस शास्त्र में कई सारे नियम बताए गए हैं। घर को दोष मुक्त करवाने के लिए वास्तु शास्त्र में कई सारे नियम बताए गए हैं इसके अलावा घर में कौन सी चीज किस दिशा में रखनी चाहिए इसके बारे में भी कई सारे नियमों का उल्लेख वास्तु शास्त्र में किया गया है। बहुत से लोग अपने घर के मुख्य द्वार पर डोरमैट रखते हैं।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, टूटे हुए फर्श से घर में वास्तु दोष पैदा होता है। इसके अलावा घर में नेगेटिविटी का संचार भी होने लगता है। घर में नेगेटिविटी बढ़ने के कारण घर में कलह–कलेश शुरू हो जाता है। ऐसे में इसे दूर करने के लिए आप टूटे हुए फर्श पर डोरमैट रख सकते हैं। इससे घर की नेगेटिविटी दूर होगी। इस शास्त्र के अनुसार, घर में रखा हुआ डोरमैट आयाताकार होना चाहिए। आयाताकार डोरमैट होने से घर के सदस्यों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होते हैं। अगर आपके घर में हर समय नेगेटिविटी रहती है तो आप उसे दूर करने के लिए पायदान के नीचे काले कपड़े में थोड़ा सा कपूर बांधकर रख दें। मान्यताओं के अनुसार, इससे नेगेटिविटी भी दूर होगी और आपके आपसी संबंध भी मजबूत बनेंगे।

वास्तु शास्त्र की मानें तो घर में रखे हुए पायदान का कपड़ा भी व्यक्ति के जीवन पर गहरा असर डालता है ऐसे में यदि आप घर के मुख्य द्वार के लिए पायदान ले रहे हैं तो उसका कपड़ा रेशम, कपास या फिर नैचुरल फाइबर का ही हो। ऐसे पायदान आपके घर में पॉजिटिविटी का संचार करते हैं। पायदान के रंग का भी खास ध्यान रखना चाहिए।

मान्यताओं के अनुसार, यदि आपके घर का प्रवेश द्वार उत्तर दिशा में है तो आप सफेद, पीला या फिर क्रीम रंग का पायदान घर के मेन गेट पर रखें। इसके अलावा यदि आपका घर दक्षिण दिशा में है तो आप गुलाबी, लाल, चांदी, सफेद या फिर हरे रंग का पायदान चुन सकते हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष: कल आपका दिन सक्रिय और ऊर्जा से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और आपके प्रयासों की सराहना होगी। निवेश और वित्तीय मामलों में सोच–समझकर कदम उठाएं।

वृष: कल आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। सामाजिक समारोहों और मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी, लेकिन पुराने मतभेदों को बढ़ावा न दें। कार्यस्थल पर सहयोगियों से तालमेल अच्छा रहेगा। यात्रा का योग है, जो लाभकारी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, हल्की व्यायाम या योग करना फायदेमंद रहेगा।

मिथुन: कल आप अपनी संचार क्षमता का सही इस्तेमाल करेंगे। शिक्षा, शोध और कागजी काम में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और अनावश्यक खर्च टालें। मानसिक रूप से दिन सकारात्मक रहेगा।

कर्क: कल परिवार और संबंधों में थोड़ी असमंजस की स्थिति रह सकती है। निर्णय लेते समय किसी अनुभवी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य में हल्की परेशानी हो सकती है, इसलिए खान–पान का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन जल्दबाजी से बचें।

सिंह: कल आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व की भूमिका निभाने के अवसर मिल सकते हैं। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या: कल आप किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सतर्क रहेंगे। निवेश और वित्तीय फैसलों में विशेषज्ञ की सलाह लाभदायक रहेगी। परिवार और दोस्तों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से स्थिरता बनी रहेगी।

तुला: कल आपके संबंध मधुर रहेंगे। यात्रा या शिक्षा में लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आर्थिक मामलों में हल्की सफलता मिलने की संभावना है।

वृश्चिक: कल निर्णय लेने में सतर्कता जरूरी है। परिवार के साथ समय बिताएं और पुराने निवेश पर लाभ मिल सकता है। ऊर्जा में वृद्धि रहेगी।

धनु : कलआत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर और शिक्षा में नए अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। सामाजिक समारोहों में भाग लेने का समय अच्छा है।

मकर: कल धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक मामलों में लाभ के योग हैं। पारिवारिक मामलों में समझदारी से काम लें।

कुंभ: कलआपकी सोच में स्पष्टता रहेगी। मित्रों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बढ़ेगा। यात्रा और शिक्षा में लाभ संभव है।

मीन : कल परिवार और संबंधों में सहयोग और मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सतर्कता आवश्यक है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्य में रुचि बढ़ेगी।

खिलौने से चमका सकते हैं अपने बच्चे का भाग्य

यूनिक समय, मथुरा। हर माता–पिता की यह ख्वाहिश होती है कि उनका बच्चा उनकी बात सुने व मानें। इसके साथ ही बच्चे का भविष्य उज्जवल हो। बता दें कि आप बच्चे के खिलौने से उसके भविष्य को बदल सकते हैं। बस आपको यह आसान उपाय करने होंगे।

हर माता–पिता की यह ख्वाहिश होती है कि उनके बच्चे का भविष्य अच्छा हो। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ प्रयासों के जरिए आप अपने बच्चे का भविष्य बदल सकते हैं। बच्चे के बचपन से जुड़े खिलौनों में उनका भविष्य बदलने की ताकत होती है। बता दें कि ज्योतिष शास्त्र में बच्चों के खिलौने से जुड़े कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताया गया है। जिनको करने से न सिर्फ संतान प्राप्ति का सुख मिलता है, बल्कि आपके बच्चे का भविष्य भी काफी अच्छा होता है। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

अगर आपके कोई बच्चा नहीं है तो आप इनके खिलौनों से जुड़े उपायों को करने के लिए बाजार से खिलौना ला सकते हैं। या फिर यदि बच्चा है तो उसके खिलौने का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बता दें कि सबसे पहले नए खिलौने को लाकर भगवान के चरणों में चढ़ाना चाहिए। इसके बाद उस खिलौने को किसी गरीब बच्चे को दान कर दें। इससे संतान की प्राप्ति होती है।यदि किसी खिलौने को लाने के बाद उसे अपने इष्ट देव को अर्पित कर दिया जाए। फिर उसे किसी छोटी कन्या को दान कर दें। इससे आपके बच्चे पर माता रानी की सदैव कृपा बनी रहेगी।

भगवान गणेश को बुद्धि का देवता माना गया है। इसलिए यदि आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा तीव्र बुद्धि वाला हो, तो खिलौने को श्री गणेश के बाल रूप को अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे का भाग्य खुलने के साथ ही वह तीव्र बुद्धि वाला होता है। अगर बच्चे का खिलौना धुलने वाला है तो उसे नमक के पानी में धोना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से बच्चे पर लगे दोष दूर होते हैं और उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा भी खत्म हो जाती है। पति–पत्नी अपने बिस्तर के नीचे लाल कपड़े में खिलौने को लपेटकर सोते हैं तो शीघ्र ही संतान प्राप्ति के योग बनते हैं। अगर बच्चे की अलमारी या पति–पत्नी अपनी अलमारी में खिलौने को लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाए तो संतान के साथ माता–पिता के संबंध बेहतर होते हैं।

खिलौने के किसी भी एक हिस्से में लाल कलावा को बांध दें और उसे हर समय बंधा रहने दें। यह उपाय करने से बच्चा अपने माता–पिता की बात मानने लगता है। अगर आपके भी घर में पुराने या खराब टूटे–फूटे खिलौने हैं, तो इन्हें फौरन घर से कहीं दूर फेंक देना चाहिए। ऐसे खिलौनों को घर में रखने से बच्चे की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है।बता दें कि यदि खिलौने रखने की जगह पर लाल रंग की छोटी डिब्बी में एक रुपए का सिक्का रखा जाता है। तो इससे बच्चे का करियर बेहतर होने की संभावना होती है।

सम्पादकीय

मुफ्त की राजनीति, कटते जंगल और बढ़ता कर्ज

लोकतंत्र में चुनाव आते ही एक अजीब मौसम शुरू हो जाता है। यह मौसम न तो बारिश का होता है, न ही सर्दी का, बल्कि "मुफ्त योजनाओं" का होता है। जैसे ही चुनावी बादल घिरते हैं, सरकारों की झोली से नकद सहायता, मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा और कई तरह के वादों की बरसात होने लगती है। जनता खुश होती है, नेता मुस्कुराते हैं और अर्थशास्त्री माथा पकड़ लेते हैं।

हाल ही में महाराष्ट्र से आई खबर इस राजनीति का एक नया अध्याय खोलती है। बताया गया कि राज्य की एक महंगी कल्याणकारी योजना का खर्च उठाने के लिए हजारों करोड़ रुपये के सागौन के जंगल काटने की बात कही गई। अब यह सोचने वाली बात है कि लोकतंत्र में वोट बचाने के लिए जंगल काटे जाएं, तो इसे विकास कहा जाए या भविष्य की नीलामी?

पवन गौतम
संपादक

जंगल वैसे भी कोई बेकार पड़ी सरकारी फाइल नहीं होते कि जरूरत पड़ी तो बेच दिए जाएं। वे प्रकृति की बैंक जमा पूंजी हैं। पेड़ कार्बन सोखते हैं, बारिश के चक्र को संतुलित रखते हैं और जैव विविधता की रक्षा करते हैं। लेकिन चुनावी गणित में इन सबका मूल्य अक्सर वोट की गणना के सामने छोटा पड़ जाता है। आज तकनीक ने भी इस राजनीति को आसान बना दिया है। जनधन खाते, आधार और मोबाइल की त्रयी ने सीधे नकद ट्रांसफर को बेहद सरल बना दिया है। पहले सरकारों को अनाज या वस्तुएं बांटनी पड़ती थीं, अब सीधे खाते में पैसा भेज दिया जाता है। इससे प्रशासनिक झंझट तो कम हुआ, लेकिन राजनीतिक आकर्षण कई गुना बढ़ गया। आखिर चुनाव से ठीक पहले खाते में पैसा आए तो मतदाता भी सोच में पड़ जाता है कि यह कल्याण है या चुनावी स्नेह-भेंट। समस्या यह नहीं है कि गरीबों की मदद क्यों की जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च करना सरकार का कर्तव्य है। असली समस्या तब पैदा होती है जब नागरिक धीरे-धीरे "लाभार्थी" में बदलने लगता है। अधिकारों की जगह कृपा का भाव पैदा होने लगता है। और तब राजनीति कल्याण से ज्यादा तुष्टीकरण का रूप लेने लगती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह रास्ता खतरनाक है। जब मुफ्त योजनाओं का खर्च बढ़ता है, तो सरकारें अक्सर कर्ज लेती हैं। यह कर्ज आज की सुविधा के लिए लिया जाता है, लेकिन उसकी कीमत अगली पीढ़ियों को चुकानी पड़ती है। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो हो सकता है अगले चुनाव तक किसी और योजना के लिए कोई और जंगल गिरवी रखना पड़े। लोकतंत्र में कल्याण जरूरी है, लेकिन विवेक उससे भी ज्यादा जरूरी है। वरना कहीं ऐसा न हो कि मुफ्त की इस राजनीति में भविष्य का पूरा जंगल ही कट जाए और आने वाली पीढ़ियां सिर्फ चुनावी वादों की लकड़ी से जलती चूल्हों की कहानियां सुनें।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

खामेनेई की मौत पर मोदी की कूटनीतिक चुप्पी

बोध प्रकाश सगुणी

राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि शब्दों से ज्यादा ताकत कभी-कभी खामोशी में होती है। कूटनीति तो वैसे भी शब्दों की शतरंज है, जहां एक वाक्य का वजन कई टन कूटनीतिक संतुलन के बराबर होता है। ऐसे में जब किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर कोई नेता कुछ न बोले, तो उसकी चुप्पी भी कई भाषाओं में बोलने लगती है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद भारत के प्रधानमंत्री की चुप्पी भी कुछ ऐसी ही बहुभाषी कूटनीति का नमूना बन गई है।

अब यह बात अलग है कि भारतीय राजनीति में विपक्ष को खामोशी से ज्यादा शोर पसंद आता है। इसलिए जैसे ही प्रधानमंत्री की ओर से कोई सीधा शोक संदेश नहीं आया, विपक्षी दलों को लगा कि मानो किसी ने उन्हें राजनीतिक बहस का नया मुद्दा थमा दिया हो। कुछ नेताओं ने इसे भारत की विदेश नीति पर सवाल बताते हुए सरकार की आलोचना शुरू कर दी। लेकिन कूटनीति के इस खेल को अगर थोड़ा व्यंग्य की नजर से देखा जाए, तो यह पूरा घटनाक्रम किसी अंतरराष्ट्रीय नाटक से कम नहीं लगता।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय राजनीति किसी टीवी डिबेट की तरह नहीं होती, जहां हर सवाल का तुरंत जवाब देना पड़े। यहां तो कई बार जवाब देने से ज्यादा समझदारी जवाब न देने में होती है। कूटनीति में यह भी एक कला है कि आप कुछ कहें भी और कुछ न भी कहें। प्रधानमंत्री का बयान कि "ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है", इसी कला का नमूना है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई शिक्षक पूरी कक्षा को समझा दे कि झगड़ा करना गलत है, लेकिन यह न बताए कि झगड़ा किसने शुरू किया।

इस पूरे मामले को समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना होगा। दुनिया की राजनीति इस समय किसी बहुस्तरीय शतरंज के खेल की तरह चल रही है। एक तरफ अमेरिका और इजरायल हैं, दूसरी तरफ ईरान है, और तीसरी तरफ वे देश हैं जो इस खेल को बहुत सावधानी से देख रहे हैं। भारत भी उन्हीं देशों में से एक है, जो इस खेल में सीधे मोहरे की तरह इस्तेमाल होने के बजाय संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है।

अगर भारत खुलकर ईरान के पक्ष में बयान देता, तो अमेरिका और इजरायल जैसे रणनीतिक साझेदारों को यह अच्छा नहीं लगता। दूसरी तरफ अगर भारत खुलकर अमेरिका की कार्रवाई का समर्थन करता, तो ईरान के साथ संबंधों पर असर पड़ सकता था। ऐसे में सबसे सुरक्षित रास्ता वही था जो भारतीय कूटनीति अक्सर चुनती है-"संयम और संवाद" का रास्ता। कूटनीति की भाषा में इसे ही "संतुलित चुप्पी" कहा जाता है। यह वही चुप्पी है जो कभी-कभी बहुत कुछ कह जाती है। ठीक वैसे ही जैसे घर में दो रिश्तेदारों के बीच झगड़ा हो जाए और परिवार का बुजुर्ग सिर्फ इतना कहे कि "शांति बनाए रखो", लेकिन यह न बताए कि गलती किसकी है।हालांकि भारतीय राजनीति में इस तरह की चुप्पी को समझना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। यहां तो हर मुद्दे पर तत्काल प्रतिक्रिया देने की परंपरा बन चुकी है। इसलिए विपक्ष को लगा कि अगर प्रधानमंत्री ने तुरंत शोक संदेश नहीं दिया, तो जरूर इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण होगा। कुछ नेताओं ने यह भी याद दिलाया कि ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद भारत ने राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। अब सवाल यह उठाया जा रहा है कि तब शोक था, और अब शांति की अपील क्यों?

लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में घटनाओं की परिस्थितियां भी अलग होती हैं। एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना और एक सैन्य हमले में फर्क होता है। कूटनीति अक्सर इन बारीक फर्कों को ध्यान में रखकर ही अपनी भाषा तय करती है। अगर थोड़ा व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो यह भी कहा जा सकता है कि भारतीय विदेश नीति कई बार योग साधना जैसी लगती है। इसमें संतुलन बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। एक तरफ झुक गए तो संतुलन बिगड़ सकता है, दूसरी तरफ झुक गए तो भी समस्या हो सकती है। इसलिए सबसे सुरक्षित स्थिति वही होती है जिसमें आप सीधे खड़े रहें और मुस्कराते हुए कहें-"हम शांति चाहते हैं।"

दिलचस्प बात यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी बहुत एक जैसी नहीं रही। कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी, कुछ ने औपचारिक बयान जारी किया, और कई देशों ने संयमित भाषा का उपयोग किया। यानी यह केवल भारत की रणनीति नहीं है, बल्कि कई देशों ने इस मामले में सावधानी बरती है।

भारत के लिए यह संतुलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसके हित कई दिशाओं में फैले हुए हैं। एक तरफ ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं, जो मध्य एशिया तक पहुंच के लिए अहम मानी जाती हैं। दूसरी तरफ अमेरिका और इजरायल जैसे देश भारत के रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग के प्रमुख साझेदार हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ पूरी तरह खड़ा होना आसान नहीं है।

वैसे भी भारत की विदेश नीति का इतिहास बताता है कि वह अक्सर "मध्य मार्ग" की नीति अपनाता रहा है। कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन के दौर में यह नीति दिखाई देती थी, और आज भी बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच वही प्रवृत्ति अलग रूप में नजर आती है। इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि जिन अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर भारत की चुप्पी पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उन्होंने स्वयं कई बार भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी की थी। कश्मीर से लेकर नागरिकता संशोधन कानून तक कई मुद्दों पर उनके बयान भारत को असहज कर चुके थे। ऐसे में यह भी संभव है कि भारतीय कूटनीति ने इस बार भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया हो।राजनीति में स्मृति भी बड़ी दिलचस्प चीज होती है। जब कोई बयान हमारे पक्ष में हो तो हम उसे याद रखते हैं, और जब वह हमारे खिलाफ हो तो उसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कूटनीति की फाइलों में हर बयान दर्ज रहता है। वहां भावनाओं से ज्यादा तथ्यों का महत्व होता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दुनिया में स्थायी मित्र या स्थायी दुश्मन जैसी कोई चीज नहीं होती। वहां केवल स्थायी हित होते हैं। भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए ही हर कदम उठाता है। कभी-कभी यह नीति लोगों को अस्पष्ट लग सकती है, लेकिन कूटनीति का यही स्वभाव है।

अगर व्यंग्य की भाषा में कहें तो भारतीय विदेश नीति कई बार उस समझदार पड़ोसी की तरह लगती है जो गली में होने वाले हर झगड़े में तुरंत कूदने के बजाय पहले यह देखता है कि मामला किस दिशा में जा रहा है। वह तब तक दूरी बनाए रखता है जब तक यह साफ न हो जाए कि किससे बात करना ज्यादा जरूरी है।

इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर यह याद दिलाया है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बयान देना जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही महत्वपूर्ण यह भी होता है कि कब और कितना बोलना है। कई बार ज्यादा बोलना भी नुकसानदायक हो सकता है और कई बार कम बोलना भी गलत संदेश दे सकता है। इसलिए कूटनीति में संतुलन ही सबसे बड़ी कला है। अंततः यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की चुप्पी केवल चुप्पी नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी हो सकती है। यह संदेश यह भी हो सकता है कि भारत किसी भी संघर्ष में सीधे पक्ष लेने के बजाय शांति और संवाद का समर्थन करता है। यह संदेश यह भी हो सकता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए हर स्थिति का आकलन कर रहा है।

विचार विण्डो

शोध से उत्पाद तक बढ़े भारत की पीएचडी

मिलिंद कुमार शर्मा

भारत आज वैश्विक स्तर पर स्वयं को ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या हमारे विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों की वर्तमान पीएचडी प्रणाली इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम है? पारंपरिक रूप से पीएचडी को शोध-पत्रों और अकादमिक प्रकाशनों के आधार पर मापा जाता रहा है। किंतु बदलते समय की मांग है कि शोध केवल सिद्धांतों और पुस्तकों तक सीमित न रहकर वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करे। इसी संदर्भ में उत्पाद या तकनीक आधारित पीएचडी मॉडल पर गंभीरता से विचार करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

वर्तमान व्यवस्था में अधिकांश पीएचडी शोध सैद्धांतिक विमर्श और साहित्य समीक्षा के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। शोधार्थी वर्षों तक शोध-पत्र लिखने, उन्हें प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित कराने और समीक्षात्मक प्रक्रिया से गुजरने में लगे रहते हैं। इस लंबी और जटिल प्रक्रिया के बाद भी कई बार शोध प्रयोगशालाओं से बाहर निकलकर समाज या उद्योग तक नहीं पहुंच पाता। परिणामस्वरूप कई शोध केवल विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों की अलमारियों में सिमटकर रह जाते हैं। यह स्थिति न केवल शोधार्थियों के उत्साह को कम करती है, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। दुनिया के कई देशों ने इस चुनौती का समाधान खोजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विशेष रूप से चीन का शिक्षा मॉडल इस संदर्भ में उल्लेखनीय है, जहां पीएचडी केवल शोध-पत्रों तक सीमित नहीं है। वहां विश्वविद्यालयों में ऐसे शोध को भी पीएचडी के रूप में मान्यता दी जाती है, जिसमें कोई नया उत्पाद, प्रोटोटाइप या तकनीकी समाधान विकसित किया गया हो। इस मॉडल ने वहां के विश्वविद्यालयों को नवाचार और तकनीकी विकास के मजबूत केंद्रों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि भारत भी इस दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो इससे शोध की गुणवत्ता और उपयोगिता दोनों में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

उत्पाद आधारित पीएचडी प्रणाली शोधार्थियों को वास्तविक समस्याओं की पहचान करने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी। इससे विश्वविद्यालय केवल ज्ञान के भंडार न रहकर नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी विकास के सक्रिय केंद्र बन सकेंगे। इस परिवर्तन को सफल बनाने में नियामक संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पीएचडी मूल्यांकन के मानदंडों में पेटेंट, प्रोटोटाइप, तकनीकी हस्तांतरण और स्टार्टअप

सृजन को भी समान महत्व देता है, तो विश्वविद्यालयों को स्पष्ट दिशा मिल सकती है। इसी प्रकार पाठ्यक्रम संरचना में लचीलापन लाकर उद्योग-सहयोग आधारित शोध, सह-मार्गदर्शन और बहु-विषयक परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। इससे शोधार्थियों को न केवल अकादमिक मार्गदर्शन मिलेगा, बल्कि उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं से भी उनका सीधा जुड़ाव स्थापित होगा।

पीएचडी की वर्तमान प्रक्रिया में लंबे-लंबे शोध प्रबंध और विस्तृत साहित्य समीक्षा को अनिवार्य माना जाता है। हालांकि अकादमिक दृष्टि से इनका महत्व है, लेकिन कई बार यह प्रक्रिया अत्यधिक समय लेने वाली और उबाऊ भी बन जाती है। यदि कोर्स वर्क में "प्रोडक्ट डिजाइन एंड डेवलपमेंट" जैसे विषयों को शामिल किया जाए और शोध को सीधे उत्पाद या तकनीकी समाधान से जोड़ा जाए, तो शोधार्थियों के लिए यह प्रक्रिया अधिक प्रेरक और परिणामोन्मुख बन सकती है। इससे शोध का चक्रीय समय भी कम होगा और परीक्षकों के लिए शोध का मूल्यांकन करना भी अपेक्षाकृत सरल हो जाएगा। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद इस परिवर्तन को संस्थागत रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि वह इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों में उद्योग-अकादमिक साझेदारी के स्पष्ट दिशा-निर्देश, वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता तंत्र विकसित करे, तो विश्चविद्यालयों में विकसित उत्पाद सीधे उद्योग की आवश्यकताओं से जुड़ सकेंगे। इससे शोध केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहकर व्यावहारिक उपयोग में भी आ सकेगा। उद्योग जगत के लिए भी यह मॉडल अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्योगों के पास अक्सर अनुसंधान एवं विकास के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होते। यदि विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध सीधे उत्पाद या तकनीकी समाधान के रूप में सामने आए, तो ऐसे उद्योग विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर अपनी समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं। इससे तकनीक का स्थानीयकरण होगा, आयात पर निर्भरता कम होगी और क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इसके अतिरिक्त उत्पाद आधारित पीएचडी स्टार्टअप संस्कृति को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब शोधार्थियों को प्रयोग, नवाचार और जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, तब स्वाभाविक रूप से नए विचार और उद्यम सामने आएंगे। यदि विफलता को भी सीखने की प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाए, तो यह वातावरण सृजनात्मकता को बढ़ावा देगा और युवा शोधार्थियों को नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेगा।

हालांकि इस मॉडल को लागू करते समय यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि अकादमिक गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। शोध का स्तर उच्च बना रहे, इसके लिए स्पष्ट मानक और मूल्यांकन प्रणाली विकसित करनी होगी। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि उत्पाद आधारित शोध केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित न रहे, बल्कि विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में भी नवाचार को प्रोत्साहन मिले। स्पष्ट है कि यदि भारत को ज्ञान और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसकी पीएचडी प्रणाली को भी समय के साथ बदलना होगा। शोध को केवल अकादमिक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि समाज, उद्योग और राष्ट्र के लिए ठोस समाधान विकसित करने के माध्यम के रूप में देखना होगा। जब विश्वविद्यालयों में होने वाला शोध सीधे उत्पाद और तकनीक के रूप में सामने आएगा, तब वह न केवल देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देगा, बल्कि भारत को वैश्विक नवाचार मानचित्र पर भी मजबूत स्थान दिलाएगा।

तीन दिग्गजों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में खिलाड़ियों को मिलेगा सम्मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नमन अवॉर्ड्स 2026 के विजेताओं का ऐलान कर दिया है। भारतीय क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन और योगदान देने वाले खिलाड़ियों, पूर्व खिलाड़ियों, कोच और अंपायरों को सम्मानित करने के लिए यह अवॉर्ड समारोह 15 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। बीसीसीआई हर साल इस कार्यक्रम के जरिए क्रिकेट के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को अलग–अलग कैटेगरी में पुरस्कार देता है।

इस साल के नमन अवॉर्ड्स में भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को मेंस कैटेगरी में बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। खास बात यह है कि शुभमन गिल को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार लगातार दूसरी बार मिलने जा रहा है। वहीं महिला क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के

लिए स्मृति मंधाना को बेस्ट इंटरनेशनल महिला क्रिकेटर के अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। स्मृति मंधाना को यह सम्मान पांचवीं बार मिलने वाला है, जो उनके लगातार शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।

इस समारोह में तीन दिग्गज खिलाड़ियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और मौजूदा कोचिंग दिग्गज राहुल द्रविड़ और पूर्व क्रिकेटर रोजर बिन्नी को 'कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह बीसीसीआई का सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है, जो भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक दिए गए असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। वहीं महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर विमेन' से सम्मानित किया जाएगा। मिताली राज ने भारतीय महिला क्रिकेट को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी इस समारोह में सम्मान मिलेगा। मुंबई की ईरा जाधव को घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जगमोहन दलमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। वहीं हरियाणा की शेफाली वर्मा को सीनियर घरेलू वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के लिए इसी ट्रॉफी से नवाजा जाएगा।

पुरुष घरेलू क्रिकेट में मुंबई के आयुष म्हात्रे को घरेलू लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड मिलेगा। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए इसी अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मान दिया जाएगा।

एडवांस बुकिंग में 60 करोड़ पार

धुरंधर 2 में यामी गौतम का दमदार एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 19 मार्च को रिलीज होने वाली इस फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा हो रही है। इसी बीच खबर सामने आई है कि फिल्म में यामी गौतम भी एक अहम और दमदार भूमिका में नजर आ सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि फिल्म के एक हाई–ऑक्टेन अस्पताल सीक्वेंस में यामी एक एजेंट के रूप में एक्शन मोड में दिखाई देंगी। एक पूर्व पत्रकार और यूजर ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि निर्देशक आदित्य धर फिल्म में एक और जबरदस्त एक्शन पल दर्शकों के सामने पेश करने की तैयारी में हैं।

फिल्म का ट्रेलर पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा चुका है। ट्रेलर में लयारी की हिंसक दुनिया की झलक दिखाई गई है, जहां हमजा उर्फ जसकिरत सिंह रंगी रहस्यों, वफादारी और विश्वासघात के खतरनाक जाल में फंसा नजर आता है। ट्रेलर का एक छोटा सा सीन भी काफी चर्चा में है, जिसमें यालीना किसी अज्ञात शख्स पर बंदूक तानती दिखाई देती है। इस दृश्य ने फैंस के बीच अटकलें तेज कर दी हैं कि कहीं उसका निशाना खुद उसका पति हमजा तो नहीं।

फिल्म के गाने 'गहरा हुआ', जिसे अरिजीत सिंह ने गाया है और इरशाद कामिल ने लिखा है, ने भी कहानी को लेकर कई संकेत दिए हैं। खासकर गीत की लाइन "तेरी मोहब्बत में जलना भी है" को लेकर फैंस मान रहे हैं कि सीक्वल में रिश्तों और विश्वासघात की कहानी और गहरी होने वाली है। खास बात यह है कि फिल्म की एडवांस बुकिंग में ही 60 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन हो चुका है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि रिलीज के बाद यह बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच सकती है।

मौत से पहले ही मोहम्मद रफी ने रिकॉर्ड किया था आखिरी गाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा के महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की आवाज आज भी लाखों दिलों में गूंजती है। उनके गाए गीत आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं। हाल ही में उनके बेटे शाहिद रफी ने रियलिटी शो इंडियन आइडल के एक खास एपिसोड में अपने पिता के आखिरी दिनों को याद करते हुए एक बेहद भावुक कहानी साझा की। तनिष्क शुक्ला के शानदार प्रदर्शन के बाद शाहिद रफी अपने पिता की यादों में खो गए और उन्होंने बताया कि मोहम्मद रफी ने अपनी मृत्यु से ठीक पहले अपना आखिरी गाना रिकॉर्ड किया था। शाहिद रफी के मुताबिक यह गाना मशहूर संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने कंपोज किया था। उन्होंने बताया कि गाने की

रिकॉर्डिंग के बाद भी उनके पिता रिहर्सल में शामिल हुए थे, जबकि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। रिहर्सल के दौरान ही उन्हें अचानक सीने में दर्द महसूस हुआ। घरवालों को स्थिति गंभीर लगी तो तुरंत डॉक्टर को बुलाने की कोशिश की गई और उन्हें अस्पताल ले जाया जाने लगा। शाहिद रफी ने उस दर्दनाक पल को याद करते हुए बताया कि जब उनके पिता को माहीम से बॉम्बे अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसी दौरान उनकी हालत और ज्यादा बिगड़ गई। एम्बुलेंस में ही डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद डॉक्टरों ने दुखद खबर दी कि मोहम्मद रफी अब इस दुनिया में नहीं रहे। यह सुनकर परिवार और संगीत जगत दोनों ही सदमे में आ गए

बेटे ने सुनाई भावुक कहानी

थे। इंडियन आइडल के इस खास एपिसोड में मोहम्मद रफी और मुकेश के गीतों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में दिग्गज संगीतकार प्यारेलाल शर्मा भी अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रतियोगियों ने हिंदी फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर के गानों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे दर्शकों को पुराने दौर की यादें ताजा हो गईं।

मोहम्मद रफी भारतीय संगीत जगत का ऐसा नाम हैं, जिनकी सुरीली आवाज समय के साथ और भी अमर होती जा रही है। आज भी उनके गाए गीत लोगों के दिलों में वही जादू जगाते हैं, जो दशकों पहले सुनाई देता था।

भारतीय फिल्मों का ऑस्कर तक बजा डंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्कर अवॉर्ड्स दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कारों में से एक माने जाते हैं। आमतौर पर इस मंच पर पश्चिमी सिनेमा का दबदबा रहता है, लेकिन इसके बावजूद कई भारतीय फिल्मों और कलाकारों ने भी अपनी खास पहचान बनाई है। वर्षों में कुछ ऐसी फिल्में सामने आईं जिन्होंने ऑस्कर जीतकर भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया। 2023 में आई तमिल डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने 95वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया। कार्तिकी गोंसाल्वेस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तमिलनाडु के एक दंपति और एक अनाथ हाथी के बच्चे के बीच भावनात्मक रिश्ता दिखाया गया है। उसी साल एस.एस. राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आरआरआर' का मशहूर गाना 'नाटू नाटू' भी ऑस्कर जीतने में कामयाब रहा। एम.एम. कीरावानी के संगीत और चंद्रबोस के बोल वाला यह गीत बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड जीतने वाला पहला भारतीय गाना बना। इससे पहले 2018 में आई डॉक्यूमेंट्री 'पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस', जिसे गुनीत मोंगा ने प्रोड्यूस किया था, ने भी बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट का ऑस्कर जीता था। वहीं 2008 में आई 'स्माइल पिंकी' ने भी इसी कैटेगरी में ऑस्कर अपने नाम किया। इसके अलावा 'स्लमडॉग मिलियनेयर' भले ही ब्रिटिश प्रोडक्शन थी, लेकिन भारतीय कलाकारों ने इसकी सफलता में अहम भूमिका निभाई। संगीतकार ए.आर. रहमान, गीतकार गुलजार और साउंड मिक्सर रेसुल पुकुट्टी ने ऑस्कर जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वहीं 1982 में फिल्म 'गांधी' के लिए भानु अथैया ऑस्कर जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। हालांकि भारत को अब तक बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में जीत नहीं मिली है, लेकिन मदर इंडिया, सलाम बॉम्बे और लगान जैसी फिल्में ऑस्कर में नामांकन तक पहुंचकर इतिहास बना चुकी हैं।

इटली को 1–0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

भारतीय महिला हॉकी टीम ने वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के सेमीफाइनल में इटली को 1–0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। भारत की ओर से मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल मिडफील्डर मनीषा चौहान ने किया। अब फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से होगा। आगामी महिला हॉकी वर्ल्ड कप 15 से 30 अगस्त 2026 के बीच बेल्जियम और नीदरलैंड्स की मेजबानी में खेला जाएगा, जिसमें भारतीय टीम भी अपनी चुनौती पेश करेगी।

इटली के खिलाफ खेले गए इस सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले क्वार्टर में भारत

और इटली दोनों ने आक्रामक खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों ने दो बार इटली के सर्किल में घुसकर गोल करने की कोशिश की, लेकिन इटली की मजबूत डिफेंस लाइन ने उन्हें सफलता नहीं मिलने दी। वहीं इटली ने भी कई बार पलटवार करते हुए गोल करने के मौके बनाए, लेकिन भारतीय डिफेंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उन्हें गोल करने से रोक दिया।

दूसरे क्वार्टर में भारत को गोल करने के अच्छे मौके मिले, लेकिन टीम उनका फायदा नहीं उठा सकी। मैच के 18वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जहां नवनीत कौर ने शानदार शॉट लगाया, लेकिन इटली की गोलकीपर लुसिया इनेस कारुसो ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल रोक दिया। इसके बाद 27वें मिनट में भारत को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस बार भी टीम इंडिया गोल करने में सफल नहीं हो सकी।

दूसरे हाफ की शुरुआत में इटली ने तेज खेल दिखाते हुए भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि भारतीय गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने शानदार बचाव करते हुए टीम को बढ़त लेने से रोके रखा। आखिरकार 40वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मनीषा चौहान ने जोरदार शॉट लगाकर गोल कर दिया और भारत को 1–0 की अहम बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में भारत को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। वहीं मैच के अंतिम मिनटों में इटली ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के आगे वह गोल करने में नाकाम रही। इस तरह भारत ने मुकाबला 1–0 से जीतकर फाइनल में प्रवेश करने के साथ–साथ वर्ल्ड कप का टिकट भी पक्का कर लिया।

एजेंसियों पर सिलेंडरों की घालमेल

ग्राहक को नहीं मिला गैस सिस्टम में दर्ज हो गई डिलीवरी

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी में गैस सिलेंडर आपूर्ति में गड़बड़ी का मामला सामने आया है, जहां ग्राहकों को सिलेंडर नहीं मिलने के बावजूद सिस्टम में डिलीवरी दर्ज कर दी गई। इससे उपभोक्ताओं में नाराजगी फैल गई है और एजेंसियों पर जांच शुरू कर दी गई है। आरोप है कि कुछ डिलीवरीमैन फर्जी तरीके से सिलेंडरों की कालाबाजारी कर रहे हैं। हजरतगंज तिलकमार्ग सिकंदरनगर निवासी अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि दो मार्च को उन्होंने भारत गैस कंपनी के सर्वर पर सिलेंडर बुक किया था। सिलिंडर न मिलने पर पांच मार्च को हेल्पलाइन पर संपर्क किया तो पता चला कि डिलीवरी हो चुकी है। छह मार्च को एजेंसी जाने पर बताया गया कि तकनीकी कारणों से बुकिंग नहीं हुई थी, जबकि सिस्टम में डिलीवरी दर्ज थी। अब उन्हें एजेंसी बुलाकर सिलेंडर देने का वादा किया गया है। दालीगंज, दुबग्गा और सीतापुर रोड के कई ग्राहक भी इसी समस्या से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि बुकिंग कराए सिलेंडर नहीं मिल रहे और डिलीवरीमैन रिकॉर्ड में फर्जी डिलीवरी दर्ज कर रहा है। शिकायतों के अनुसार, कुल बुकिंग का लगभग 15 प्रतिशत सिलिंडर इसी तरह फर्जी तरीके से डिलीवर दिखाया गया। राजाजीपुरम के सी ब्लॉक स्थित एजेंसी ने बुकिंग के सिलिंडर अब तक नहीं दिए। ग्राहक दीपक तिवारी ने बताया कि चार दिन से सिलिंडर का इंतजार है, लेकिन एजेंसी से कोई जवाब नहीं मिला। इंडियन ऑयल कंपनी के राज्य समन्वयक संजय भंडारी ने कहा कि सर्वर को दुरुस्त कर दिया गया है। अब बुकिंग मेसेज पांच घंटे बाद आएगा ताकि सिस्टम पर लोड कम हो और सिलिंडर वितरण सुचारू तरीके से हो सके। राजधानी में सामान्य दिनों में 40 हजार से अधिक सिलिंडर बुक होते थे, जो अब चार लाख तक बढ़ गए हैं। ग्राहक सिलिंडर के लिए परेशान हैं और एजेंसियों में पारदर्शिता और सही डिलीवरी की मांग कर रहे हैं। इस घालमेल ने ऑनलाइन सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर कसा तंज

अफवाह फैलाने वालों का बाजा बजा देंगे

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज पहुंचकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। पुलिस लाइन हेलीपैड और सर्किट हाउस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया।

गैस सिलिंडर की आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा कि विपक्ष केवल भ्रम और डर पैदा करने के लिए दुष्प्रचार कर रहा है। उन्होंने तंज करते हुए कहा, "'अफवाह गांधी' और 'अफवाह यादव' विपक्ष के ये नेता केवल जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाले समय में हम इन अफवाह फैलाने वालों का बाजा बजा देंगे।"

डिप्टी सीएम ने आंकड़े भी पेश किए। उन्होंने बताया कि पहले जहां प्रतिदिन 55 लाख सिलिंडर बुक होते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 75 लाख तक पहुंच गई है। इससे स्पष्ट है कि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और सरकार हर नागरिक तक सिलिंडर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक संकट और ईरान–इस्त्राइल–यूएस विवाद पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सराहना की। मौर्य ने कहा कि पीएम मोदी की सशक्त विदेश नीति के चलते भारत में ईरान से क्रूड ऑयल और गैस सफलता पूर्वक आ रही है। संकट के बावजूद देश का झंडा बुलंद है और आगे भी रहेगा।

आगामी चुनावों पर मौर्य ने विश्वास जताया कि भाजपा उत्तर प्रदेश में विरोधियों को हराकर 2027 में फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और जिला पंचायत चुनावों की तैयारियों का भी जिक्र किया। पुलिस लाइन पर स्वागत के दौरान महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता और अन्य जिला अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, निर्मला पासवान, राजेश शुक्ला और कई अन्य नेता मौजूद रहे।

अब सभी कर्मचारियों की पदोन्नति होगी ऑनलाइन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों और अधिकारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके लिए मानव संपदा पोर्टल पर नया प्रपत्र विकसित किया गया है। मुख्य सचिव एस. पी. गोयल ने सभी विभागों को 31 मार्च तक आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इस सुविधा का लाभ राज्य के 8.5 लाख से अधिक कर्मचारियों को मिलेगा।

शासनादेश के अनुसार, सभी कर्मचारियों की पूरी जानकारी पोर्टल पर दर्ज होना आवश्यक है ताकि प्रणाली स्वतः सभी विवरण प्राप्त कर सके। पंजीकरण फॉर्म में कर्मचारी का विभाग, पद और सेवा में शामिल होने की तिथि भरना अनिवार्य है। साथ ही विभागीय कार्यवाही से संबंधित जानकारी भी सही ढंग से पोर्टल पर अपलोड की जानी चाहिए।

मानव संपदा पोर्टल पर नया प्रपत्र लागू

इस प्रक्रिया में वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट को भी पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। यह रिपोर्ट स्वतः गणना कर पदोन्नति सूची और अंक तालिका में शामिल होगी। विभागीय प्रमुख हर विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया के संचालन के लिए अधिकारी को समन्वयक नियुक्त करेंगे। अधिकारी अपने उपयोगकर्ता पहचान पत्र और पासवर्ड दर्ज कर लॉगिन करेंगे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

इस ऑनलाइन व्यवस्था से न केवल प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि समय और कागजी कार्यभार की बचत भी होगी। विभागीय अधिकारी आसानी से बैठकें आयोजित कर सकते हैं और सभी कर्मचारियों के पदोन्नति संबंधी विवरणों पर नियंत्रण रख पाएंगे।

मानव संपदा पोर्टल के इस कदम से कर्मचारियों को डिजिटल माध्यम से पदोन्नति मिलने की प्रक्रिया सरल और त्वरित होगी। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए जानकारी का समन्वय आसान होगा, जिससे गलती की संभावना भी कम होगी। उत्तर प्रदेश सरकार का यह प्रयास कर्मचारियों की सुविधा, समय की बचत और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल पुलिस भर्ती का भ्रामक प्रश्नपत्र

यूनिक समय, अयोध्या। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे इन झूठी खबरों में न फंसे और केवल आधिकारिक स्त्रोत से ही जानकारी लें।

बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि कुछ शरारती तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी प्रश्नपत्र फैलाकर अभ्यर्थियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि परीक्षा का वास्तविक प्रश्नपत्र किसी भी तरह से सोशल मीडिया पर उपलब्ध नहीं है और इस तरह के प्रयास केवल भर्ती प्रक्रिया को खराब करने के लिए किए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वायरल फर्जी प्रश्नपत्र को लेकर बोर्ड ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। विभिन्न प्लेटफार्म और संबंधित व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया कि यदि उन्हें ऐसी भ्रामक जानकारी मिलती है तो उसे आगे न फैलाएं और सीधे अधिकारियों को सूचित करें।

अधिकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रहे, यही बोर्ड की प्राथमिकता है। परीक्षा नियंत्रक ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया कि केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत माध्यमों पर ही भरोसा करें।

विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया पर इस तरह की अफवाहें फैलाना अब एक नया "परीक्षार्थी खेल" बन गया है। कुछ अभ्यर्थी उत्साहित होकर फर्जी प्रश्नपत्र की फोटो साझा कर रहे हैं, जबकि असल परीक्षा में इसका कोई अस्तित्व नहीं। बोर्ड ने इसे गंभीरता से लिया और चेताया कि परीक्षा प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ करने वालों को छोड़ने वाला नहीं है।बोर्ड का संदेश साफ है–भ्रामक खबर फैलाने वालों का बाजा बजा दिया जाएगा, और असली तैयारी केवल मेहनत और सच्चाई से ही होगी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए सवाल भूल जाएँ, असली सवाल आपका ज्ञान और तैयारी ही है।

इजराइल–ईरान युद्ध का असरः दवाओं के कच्चे माल महंगे

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा असर

यूनिक समय, मेरठ। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के असर से दवाओं के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के दाम में भारी वृद्धि हुई है। मेरठ में पैरासिटामॉल सहित कई दवाओं के साल्ट की कीमतें 20 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। दवा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत बढ़ने से दवाओं का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

जिला ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन के मुताबिक, एपीआई (दवा बनाने वाला सक्रिय तत्व) के दाम अचानक बढ़ गए हैं, जिससे सस्ती दवाओं का निर्माण मुश्किल हो गया है। दवा कंपनियां सरकार द्वारा तय कीमतों के तहत दवाओं का उत्पादन करती हैं, लेकिन कच्चे माल के दाम बढ़ने के बावजूद दवा की कीमतों में वृद्धि करना संभव नहीं है। इससे उद्योगों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दवा कारोबारी आयुष ने बताया कि गले के संक्रमण में काम आने वाली एजिथ्रोमाइसिन की तीन गोलियों की कीमत 80 रुपये से बढ़कर 98 रुपये हो गई है। इसी तरह ग्लिसरीन की 100 ग्राम की शीशी 160 रुपये में बिक रही है। पैरासिटामॉल के 10 गोलियों के पत्ते की कीमत आठ से बढ़कर 14 रुपये हो गई है। मोंटेलूकास्ट सोडियम की 10 गोलियों का पत्ता 180 रुपये से बढ़कर 240 रुपये हो गया है। डायक्लोफेनक सोडियम की 10 गोलियां 20 रुपये की थीं, अब 35 रुपये में बिक रही हैं।

एसोसिएशन के महामंत्री रजनीश कौशल रज्जन ने बताया कि यदि कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी इसी तरह जारी रही, तो जीवन रक्षक दवाओं की वैश्विक बाजार में कमी भी संभव है। उन्होंने कहा कि पैरासिटामॉल, एमडीसी, मिथाइलकोबालामिन, पोटेशियम क्लैवुलनेट और अन्य दवाओं के दाम पहले ही बढ़ चुके हैं।

दवा उद्योग इस स्थिति से चिंतित है और सरकार से हस्तक्षेप की उम्मीद कर रहा है। आम जनता के लिए यह वृद्धि चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि रोजमर्रा की दवाओं की कीमतें सीधे उनके खर्च पर असर डाल रही हैं।

सर्वोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 15 और 22 मार्च को

यूनिक समय, लखनऊ। प्रदेश के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शिक्षा सत्र 2026–27 के लिए कक्षा 6 से 9 तक प्रवेश हेतु परीक्षा 15 और 22 मार्च को आयोजित की जाएगी। समाज कल्याण विभाग के अनुसार इन कक्षाओं की कुल 10,790 खाली सीटों के लिए इस वर्ष 68,780 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे विद्यार्थियों में प्रवेश को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल हों और समय से केंद्र पर पहुंचें। चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए संचालित इन आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

मोदी रैली से पहले कोलकाता में मचा सियासी संग्राम

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित सभा से पहले राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया। सभा स्थल की ओर जा रहे कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हो गई।

भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने और हंगामा करने के आरोप लगाए। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई कार्यकर्ताओं के घायल होने की खबर सामने आई।

तृणमूल कांग्रेस की मंत्री शशि पांजा ने आरोप लगाया कि उन पर ईंट से हमला किया गया, जिससे वे घायल हो गईं। उनका कहना है कि भाजपा

समर्थकों ने उनके आवास के पास पत्थरबाजी की और तृणमूल समर्थकों पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि इस घटना में कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं। दूसरी ओर भाजपा नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकर्ताओं को सभा स्थल तक पहुंचने से रोका जा रहा था। उनका कहना है कि जुलूस निकाल रहे कार्यकर्ताओं पर ईंट और पत्थर फेंके गए।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया

सभा से पहले पत्थरबाजी, कई कार्यकर्ता घायल

दोनों दलों ने एक-दूसरे पर लगाया हिंसा का आरोप

गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में हाल ही में परिवर्तन यात्रा समाप्त हुई है। उसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी सभा प्रस्तावित है, जिसे आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। इस कारण दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं।

कलियुगी माता-पिता ने मासूम को पीट-पीटकर मार डाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। लखनऊ के चौक क्षेत्र में मानवता को झकझोर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां पांच वर्ष के मासूम अर्नव की कथित रूप से उसके पिता और सौतेली मां द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, अर्नव को लंबे समय से घर में प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि पिता और सौतेली मां उसे अक्सर बेरहमी से मारते-पीटते थे। हाल ही में दोनों ने मासूम को इतनी बुरी तरह पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्चे के शरीर पर कई पुराने और नए घाव मिलने की पुष्टि हुई है। इससे संकेत मिलता है कि मासूम को लंबे समय से प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी। परिजनों का कहना है कि बच्चे से मिलने नहीं

माता-पिता गिरफ्तार

दिया जाता था और उसके शरीर पर पड़े घाव छिपाने के लिए गर्मी में भी उसे पूरे बाजू के कपड़े पहनाए जाते थे।

घटना के बाद जब पुलिस आरोपियों को उनके घर लेकर पहुंची तो मोहल्ले में भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों का गुस्सा इतना ज्यादा था कि कुछ लोगों ने आरोपियों के साथ हाथापाई करने की कोशिश भी की। स्थिति को संभालने के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मासूम की मौत से आहत लोग आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

उत्तर कोरिया ने बातचीत की पेशकश के बाद मिसाइल परीक्षण, बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर मिसाइल परीक्षण कर क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। शनिवार को उसने पूर्वी सागर की दिशा में दस से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिससे एशिया क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार ये मिसाइलें राजधानी प्योंगयांग के सुनान क्षेत्र से दोपहर के समय दागी गईं और बाद में समुद्र में जाकर गिरीं।

बताया जा रहा है कि यह कदम उस समय उठाया गया जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ बातचीत की संभावना जताई थी। इस पहल के महज चौबीस घंटे बाद हुए मिसाइल परीक्षण को कई विशेषज्ञ कड़े संदेश के रूप में देख रहे हैं। उनका मानना है कि उत्तर कोरिया फिलहाल किसी बातचीत के मूड में नहीं दिख रहा है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि यह परीक्षण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब के रूप में किया गया हो सकता है। यह सैन्य अभ्यास नौ मार्च से शुरू

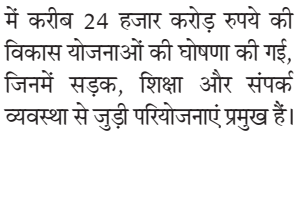

हुआ था। उत्तर कोरिया लंबे समय से ऐसे अभ्यासों का विरोध करता रहा है और उन्हें अपने खिलाफ संभावित सैन्य तैयारी मानता है।

इससे पहले उत्तर कोरियाई नेतृत्व की ओर से भी कड़ी चेतावनी दी गई थी कि यदि सैन्य दबाव बढ़ाया गया तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसी कारण इस मिसाइल परीक्षण को क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

घटना के बाद दक्षिण कोरिया ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को और मजबूत कर दिया है। साथ ही अमेरिका और जापान के साथ खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान भी तेज कर दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का समय रहते सामना किया जा सके।

महीनों बाद खत्म हुई एनएसए हिरासत

जोधपुर जेल से रिहा हुए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत चल रही हिरासत को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि लेह में पिछले वर्ष हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद उन्हें एहतियातन हिरासत में लिया गया था। हिरासत के बाद वांगचुक को जेल में स्थानांतरित किया गया था। सरकार का कहना है कि उस समय क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और शांति कायम रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया था। अब हालात की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद हिरासत समाप्त करने का निर्णय लिया गया है।सरकार ने अपने बयान में कहा कि लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का वातावरण बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विभिन्न समुदायों, स्थानीय नेताओं और अन्य पक्षों के साथ

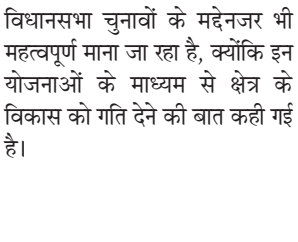

लगातार संवाद किया जा रहा है ताकि क्षेत्र की चिंताओं और मांगों पर रचनात्मक चर्चा हो सके।

इस मामले में वांगचुक की पत्नी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर हिरासत को अवैध और मनमाना बताया था। उनका कहना था कि यह कदम मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि लद्दाख में राज्य का दर्जा और विशेष प्रावधानों की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। उसी घटना के बाद वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। अब हिरासत समाप्त होने के बाद उनके समर्थकों में राहत की भावना देखी जा रही है।

ईंधन महंगा, अब हवाई यात्रा पर बढ़ा किराये का बोझ

यूनिक समय, नई दिल्ली। हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को अब पहले से अधिक खर्च करना पड़ेगा। देश की एक निजी विमान सेवा कंपनी ने अपने टिकट किराये में ईंधन अधिभार जोड़ने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार अब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में प्रत्येक सीट पर 199 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। यह नया शुल्क 15 मार्च से बुक होने वाले सभी टिकटों पर लागू होगा। कंपनी का कहना है कि हाल के दिनों में विमान ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। ईंधन किसी भी विमान सेवा के संचालन खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा होता है। कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, इसलिए किराये में यह

आतारक्त शुल्क जाड़ना पड़ा ह।

बताया जा रहा है कि इससे पहले देश की अन्य प्रमुख विमान सेवाओं ने भी अपने टिकटों पर ईंधन अधिभार लागू किया है। कुछ कंपनियां यात्रियों से सैकड़ों रुपये से लेकर हजारों रुपये तक अतिरिक्त शुल्क वसूल रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने से विमान ईंधन महंगा हुआ है। यही कारण है कि विमान सेवाएं अपने बढ़ते खर्च को संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क ले रही हैं।

कोलकाता में बोले पीएम मोदी

लोगों का उत्साह बता रहा है कि उनके मन में क्या है

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जनसभा को संबोधित किया। सभा में मौजूद लोगों के उत्साह का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भीड़ का जोश यह स्पष्ट करता है कि जनता के मन में बदलाव और विकास की अपेक्षा है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लिए कई बड़ी विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री ने कोलकाता में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत की। इन योजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण, आर्थिक गलियारे का विकास, बाईपास मार्ग और कई पुलों का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं से परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही

है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने असम में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। असम में करीब 24 हजार करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा की गई, जिनमें सड़क, शिक्षा और संपर्क व्यवस्था से जुड़ी परियोजनाएं प्रमुख हैं।

प्रधानमंत्री ने शिलांग से सिलचर तक बनने वाले तेज रफ्तार मार्ग का भी भूमि पूजन किया। लगभग 166 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के बनने से असम और मेघालय के बीच संपर्क और मजबूत होगा। इसके निर्माण से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का

करीब अठारह हजार करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

समय काफी कम हो जाएगा, जिससे व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

इसके अलावा सिलचर क्षेत्र में उंचे मार्ग के निर्माण और एक नए कृषि महाविद्यालय की आधारशिला भी रखी गई। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा, कृषि अनुसंधान और परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया है।

प्रधानमंत्री के इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इन योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के विकास को गति देने की बात कही गई है।

मुरादाबाद में सनसनी: भाई ने बहन की हत्या, मां पर भी हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने गुस्से में आकर अपनी ही जुड़वां बहन की चाकू से हत्या कर दी। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। बताया जा रहा है कि करियर और निजी रिश्तों को लेकर भाई-बहन के बीच विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा।

जानकारी के अनुसार, युवक ने गुस्से में रसोई से चाकू उठाकर अपनी बहन पर कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर कई गंभीर घाव मिलने की पुष्टि हुई है।

घटना के बाद आरोपी अपनी मां को दफ्तर से घर लाया और उन्हें सरप्राइज दिखाने की बात कही। घर पहुंचते ही मां ने बेटी को खून से लथपथ देखा तो शोर मचा दिया। इस पर युवक ने मां पर भी हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं।

सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घायल मां का इलाज अस्पताल में चल रहा है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डिजिटल हुए बिहारी जी, घर बैठे मिल रहे दर्शन

15 दिन में 51 लाख भक्तों ने किए ऑनलाइन दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में अब श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था और आसान हो गई है। रंगभरनी एकादशी से शुरू हुई लाइव स्ट्रीमिंग सेवा को भक्तों का अच्छे दर्शन हो रहे है,प्रसाद की तरह लोग कर रहे है। 15 दिनों में करीब 51 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से ठाकुर जी के दर्शन किए। वहीं लगभग 45 लाख 40 हजार श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर लाइनों में लगकर शांतिपूर्वक दर्शन कर चुके हैं। अब मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन और श्रृंगार, राजभोग और शयनभोग आरती का रोज करीब 10 घंटे लाइव प्रसारण किया जा रहा है। यह प्रसारण यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम

और एक्स (ट्विटर) पर देखा जा सकता है। इससे दूर रहने वाले भक्त भी घर बैठे दर्शन कर पा रहे हैं। मंदिर के अंदर और बाहर 5 आधुनिक कैमरे और 6 बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। जिससे मंदिर के अंदर भीड़ कम हुई है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि सरकार की कोशिश है कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित और आसानी से दर्शन मिल सकें। लाइव स्ट्रीमिंग और एलईडी स्क्रीन लगने से मंदिर में भीड़ को संभालना आसान हुआ है और सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत हुई है। गाजियाबाद से आई श्रद्धालु सुलेखा गौतम ने बताया कि पहले भीड़ के कारण डर लगता था, लेकिन अब

एलईडी स्क्रीन और कैमरों से बेहतर हुई सुरक्षा और भीड़ व्यवस्था, घर बैठे भी हो रहे दर्शन

व्यवस्था काफी अच्छी है। उन्होंने बाहर लगी स्क्रीन पर भी दर्शन किए और बाद में आराम से मंदिर में प्रवेश मिला। वहीं दिल्ली से आए श्रद्धालु अरुण ने कहा कि लाइव स्ट्रीमिंग से अब वह ऑफिस में रहते हुए भी राजभोग आरती के दर्शन कर लेते हैं। इस नई व्यवस्था से मंदिर में धक्का-मुक्की कम हुई है और श्रद्धालुओं को दर्शन करना पहले से ज्यादा आसान हो गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 3.39 लाख वादों का निस्तारण

यूनिक समय, मथुरा। जनपद न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विकास कुमार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला मुख्यालय, कलेक्ट्रेट तथा तहसील स्तर पर कुल 4,02,766 वाद निस्तारण के लिए नियत किए गए थे, जिनमें से 3,39,411 वादों का सफल निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी राजेश चौधरी ने 169 वादों का निस्तारण करते हुए पीड़ितों को 19 करोड़ 67 लाख 57 हजार 500 रुपये की प्रतिकर राशि दिलाने के आदेश पारित किए।

परिवार न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश प्रीति श्रीवास्तव ने 24 पारिवारिक वादों का निस्तारण किया, जबकि अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश विनय कुमार ने 23 वादों का निपटारा कराया। फौजदारी न्यायालयों द्वारा 31,988 मामलों का निस्तारण कर 6 लाख 86 हजार रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया। वहीं चेक बाउंस से जुड़े 1,681 वादों में 2 करोड़ 76 लाख 58 हजार 126 रुपये के भुगतान के आदेश दिए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चन्द्रप्रकाश सिंह, अपर जिला जज रामकिशोर पाण्डेय, अजय पाल सिंह, नोडल अधिकारी अरविन्द कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्सव गौरव राज, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह, बार एसोसिएशन अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह, सचिव मनोज कुमार शर्मा सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राहुल अग्रवाल ने किया, जबकि अंत में अनीता सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सरकारी छुट्टी से सूने बाजार दुकानदार परेशान

यूनिक समय, मथुरा। माह के दूसरे शनिवार को सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहने का असर अब आसपास के छोटे दुकानदारों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। दफ्तरों के बाहर चाय, पानी, बिस्किट और नमकीन बेचकर रोजी-रोटी चलाने वाले दुकानदारों का कहना है कि इस दिन उनकी बिक्री में भारी गिरावट आ जाती है, जिससे दैनिक आय प्रभावित होती है। राजीव भवन, सीएमओ कार्यालय और कचहरी परिसर के आसपास दुकानदारों से आज यूनिक समय टीम आंखों देखा हाल देखा। राजीव भवन के पास दुकान लगाने वाले गोपाल ने बताया कि सामान्य दिनों में उनकी दुकान पर कर्मचारियों और आने-जाने वाले लोगों की वजह से 700 से 1000 रुपये तक की बिक्री हो जाती है। लेकिन महीने के दूसरे शनिवार को सरकारी कार्यालय बंद होने के कारण ग्राहकों की संख्या काफी कम हो जाती है और बिक्री घटकर 200 से 300 रुपये तक ही रह जाती है। इसी तरह सीएमओ कार्यालय और कचहरी परिसर के आसपास दुकान लगाने वाले इकबाल, रामप्रकाश, वेदप्रकाश और विनोद ने भी बताया कि सरकारी दफ्तरों के बंद रहने से उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर आने वाले अधिकांश ग्राहक सरकारी कर्मचारी, वकील, फरियादी या कार्यालय से जुड़े लोग होते हैं। जब कार्यालय बंद रहते हैं तो ग्राहकों की आवाजाही लगभग समाप्त हो जाती है।

दुकानदारों के अनुसार, महीने के दूसरे शनिवार को उनकी बिक्री में औसतन लगभग 70 प्रतिशत तक गिरावट आ जाती है। ऐसे में पूरे दिन दुकान लगाने के बावजूद आमदनी बहुत कम रह जाती है, जिससे परिवार का खर्च चलाना भी कठिन हो जाता है।स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि छोटे व्यापारियों की आजीविका काफी हद तक सरकारी कार्यालयों की गतिविधियों पर निर्भर करती है। कार्यालयों में अवकाश के दिनों में बाजार की रौनक भी फीकी पड़ जाती है और छोटे दुकानदारों का कारोबार प्रभावित होता है।

ईरान-इजराइल तनाव बेअसर मथुरा में सामान्य पेट्रोल बिक्री

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच मथुरा शहर में इसका कोई प्रत्यक्ष असर देखने को नहीं मिला। शनिवार को शहर के बीच स्थित पुलिस लाइन के सामने पेट्रोल पंप पर सामान्य दिनों की तरह ही वाहन चालकों ने पेट्रोल और डीजल भर भा रहे है। पूरे दिन पंप पर माहौल शांत और व्यवस्थित नजर आया।

सुबह से लेकर दोपहर तक पेट्रोल पंप पर ग्राहकों की आवाजाही नियमित बनी रही। वाहन चालक अपनी बारी का इंतजार करते हुए शांति से पेट्रोल और डीजल लेते दिखाई दिए। कहीं भी अफरा-तफरी, भीड़ या ईंधन को लेकर किसी तरह की मारामारी जैसी स्थिति देखने को नहीं मिली।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। कर्मचारी भी नियमित रूप से अपनी सेवाएं देते हुए ग्राहकों को पेट्रोल और डीजल दे रहे है। उनका कहना है कि शहर में फिलहाल ईंधन को लेकर किसी तरह की चिंता की स्थिति नहीं है।

ग्राहकों ने भी संयम और समझदारी का परिचय देते हुए सामान्य तरीके से ईंधन लेते दिखे। कई वाहन चालकों का कहना था कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की खबरें जरूर सामने आ रही हैं, लेकिन मथुरा में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। कुल मिलाकर मथुरा में पेट्रोल पंपों पर स्थिति पूरी तरह सामान्य और व्यवस्थित दिखाई दी। लोगों ने बिना किसी घबराहट के रोजमर्रा की तरह ईंधन लिया, जिससे शहर में शांति और सकारात्मक माहौल का संदेश भी देखने को मिला।

उत्पीड़नात्मक कार्रवाई के विरोध में जूनियर इंजीनियर संगठन का मोर्चा

यूनिक समय, मथुरा। उच्चाधिकारियों द्वारा अवर अभियंताओं के विरुद्ध की जा रही कथित उत्पीड़नात्मक और अवैध कार्यवाहियों के विरोध में राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन, मथुरा के सदस्यों ने शनिवार को धर्मेंद्र सभागार में आकस्मिक सभा आयोजित की। सभा में उपस्थित अवर अभियंताओं ने एक स्वर में बिना पर्याप्त संसाधन और मैनपावर के कार्य कराए जाने तथा उसके बावजूद कार्रवाई किए जाने पर नाराजगी जताई। संगठन सचिव सतेंद्र मौर्य ने कहा कि जनपद मथुरा के अवर अभियंता शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर विद्युत आपूर्ति और राजस्व वसूली के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ओटीएस योजना में मथुरा क्षेत्र राजस्व वसूली में अव्वल रहा, इसके बावजूद केवल एक संवर्ग के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

अवर अभियंता अनूप गौर ने कहा कि विभागीय संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं और अपनी विफलता छुपाने के लिए अधिकारियों द्वारा अवर अभियंताओं पर कार्रवाई की जा रही है। ध्रुव साहू ने बताया कि कई स्थानों पर एक अवर अभियंता के जिम्मे कई बिजलीघरों का कार्यभार है और सीमित लाइनमैन के साथ 15 से 20 हजार उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है। सभा में धीरज मिश्रा, रोहित वर्मा, राहुल साहू, सतीश चंद और कामरान ने भी अपनी समस्याएं रखीं। अध्यक्षता कर रहे अशोक यादव ने कहा कि यदि अवैध कार्यवाहियां बंद नहीं हुईं तो जल्द ही आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। अंत में जिला अध्यक्ष राकेश यादव ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कौशल विकास से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

यूनिक समय, मथुरा। युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने और तकनीकी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में संचालित डीएवी स्किल डेवलपमेंट सेंटर में नए बैच के विद्यार्थियों के लिए विशेष ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह केंद्र शिक्षा कायाकल्प न्यास एवं दीक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, जहां युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कंप्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग जैसे तकनीकी और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्तमान दौर में

तकनीकी दक्षता और कौशल विकास युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलते हैं। इसलिए छात्रों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना भी आवश्यक है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विनय शर्मा एवं राजीव पाठक (श्री कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती विद्यामंदिर) उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल आधारित शिक्षा आज के प्रतिस्पर्धी समय में बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। युवाओं को चाहिए कि वे तकनीकी ज्ञान हासिल कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें। इस अवसर पर जीएलए यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पुष्कर शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर तकनीक और नेटवर्किंग का ज्ञान युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध करा सकता है। डीएवी इंटर कॉलेज मथुरा के प्रबंधक रमेश आर्य ने छात्रों को अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सत्र के दौरान प्रो. पुष्कर शर्मा और अनिल अग्रवाल ने अभ्यर्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए पाठयक्रमों की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में शिक्षा कायाकल्प न्यास से अनिल अग्रवाल, राहुल, मनीष और नितिन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष अग्रवाल ने किया।

मालगाड़ी से टकरा कर युवक मरा

यूनिक समय मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेट फार्म संख्या एक दो के बीच माल गाड़ी की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई।जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक और दो के बीच रेलवे लाइन संख्या दो बड़े एफ बी के नीचे पार्सल ऑफिस के सामने मालगाड़ी से टकरा कर एक युवक की मौत हो गई। मृतक के समीप मिले मोबाइल फोन पर काल करने पर उसके बहनोई गांव रानी थाना रानी जिला पाली राजस्थान ने उसकी शिनाख्त अपने साले मोहन लाल निवासी गांव वांस पावा थाना तखत गढ़ जिला पाली राजस्थान के रुप में की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जागरूक करने के लिए संस्था को दी जाएगी की जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना के घटक वरिष्ठ नागरिकों हेतु राज्य कार्ययोजना संचालित की गयी है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों/वृद्धजनों हेतु अनुमोदित गतिविधियां जैसे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जायेगी। उक्त योजनान्तर्गत श्रेणी-01 के अन्तर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति गठित की गयी है। समिति द्वारा श्रेणी-01 के अन्तर्गत चिकित्सा सेवायें यथा-मोतियाबिन्द सर्जरी एवं जागरूकता एवं सामुदायिक करने के लिए जागरूक किया जाएगा। निम्न निर्धारित आर्हताओं एवं चयनित संस्थाओं को परिस्थितियों के अनुरूप कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी जायेगी।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक,
मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053